RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 201 , गुरुवार, 03 सितंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

चलचित्र के माध्यम से नशा विरोधी जागरूकता, विद्यार्थियों को मिला सकारात्मक संदेश 03

रक्सौल शाखा में धूमधाम से मनाया गया एलआईसी का 70वां स्थापना दिवस 04

पुरुषों के सामने लगभग निर्वस्त्र होकर अभिनय करना पड़ा था दीया को 07

संक्षिप्त समाचार

हथिनीकुंड बैराज में डूबी सेना की बोट

2 जवान हो गए लापता, 3 जवानों को बचाया

यमुनानगर (एजेंसी)। हरियाणा के यमुनानगर में हथिनीकुंड बैराज पर अभ्यास के दौरान यमुना में बोट डूबने से लापता दो जवानों की तलाश तेज कर दी गई है। अब 15 किलोमीटर क्षेत्र में सर्च अभियान चल रहा है। 10 से ज्यादा जगह सेना की टीमें झाल (पानी की गति कम करने वाले पॉइंट) पर निगरानी कर रही हैं। दो हेलीकॉप्टर भी सर्च में जुटे हैं। जवानों के पैरों में लगे ट्रैकर से फिलहाल कोई सिग्नल नहीं मिल रहा। सेना की वन पैरा स्पेशल फोर्स के अभ्यास के दौरान मंगलवार शाम करीब 5 बजे हादसा हुआ। चिनूक हेलीकॉप्टर से नदी में खड़ी बोट में 5 जवान कूदे थे। बोट डूबने लगी तो पांचों ऑक्सीजन सिलेंडर

और लाइफ जैकेट के साथ नदी में कूद गए। इनमें तीन जवान तैरकर पश्चिमी यमुना नहर के गेट से बाहर निकल आए। लापता जवान महाराष्ट्र के आर्यन पाटिल और जम्मू-कश्मीर के अखनूर निवासी अजय हैं। हरियाणा के साथ यूपी की एनडीआरएफ टीमें भी सर्च में जुटी हैं। बुधवार को बैराज पर यमुना का जलस्तर 31,850 क्यूसेक दर्ज हुआ। सर्च अभियान के चलते बैराज पर हरियाणा-यूपी के सभी रास्ते बंद कर दिए गए हैं। हरियाणा की तरफ जाने वाली पश्चिमी यमुना नहर में पानी रोक दिया गया है। पानी को दिल्ली की तरफ डायवर्ट किया गया है।

महुआ मोइत्रा की सुरक्षा में तैनात रहेंगे दो पुलिसकर्मी

हाईकोर्ट का बंगाल सरकार को निर्देश, सुरक्षा देनी होगी

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा को उनके संसदीय क्षेत्र में जाने के दौरान पुलिस सुरक्षा देने का निर्देश दिया है। मंगलवार को न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने निर्देश दिया कि महुआ जब भी अपने संसदीय क्षेत्र में प्रवेश करेंगी, उनके साथ कम से कम दो पुलिसकर्मी तैनात किए जाएं। यह सुरक्षा फिलहाल 30 दिनों के लिए दी गई है। मामले की

अगली सुनवाई एक अक्टूबर को होगी। अदालत ने कहा कि महुआ को अपने संसदीय क्षेत्र में काम करने के दौरान किसी तरह की परेशानी या उत्पीड़न का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित करना राज्य की जिम्मेदारी है। सांसद को अपने क्षेत्र में जाने से रोकना या उनके साथ किसी तरह का हमला अथवा दुर्व्यवहार उचित नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि महुआ को अपने संसदीय क्षेत्र में जाने की तारीखों की जानकारी पहले पुलिस को देनी होगी। उसी के अनुसार पुलिस सुरक्षा की व्यवस्था करेगी। महुआ ने कोर्ट का रुख करते हुए आरोप लगाया था कि अपने संसदीय क्षेत्र में जाने पर उन्हें घेरकर विरोध-प्रदर्शन किया जाता है और राजनीतिक उद्देश्य से माहौल बिगाड़ने की कोशिश की जाती है। ऐसी परिस्थितियों में सांसद के रूप में वह आम लोगों के लिए काम नहीं कर पा रही हैं।

तमिलनाडु के 52 मंदिरों में स्मार्टफोन पर लग गया प्रतिबंध

● 5 रुपए में जमा होगा फोन, परिसर में सेल्फी और रील पर पाबंदी ● वीआईपी पर भी लागू होंगे नियम, तमिलनाडु सरकार का फैसला

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार ने राज्य के 52 प्रमुख मंदिरों में स्मार्टफोन ले जाने और इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी है। यह नियम मंगलवार से लागू हुआ है। नए नियम के मुताबिक, श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश से पहले स्मार्टफोन काउंटर पर जमा करना होगा। इसके लिए हर फोन पर 5 रुपए चार्ज देना होगा। बिना कैमरे वाले मोबाइल फोन मंदिर के अंदर ले जाने की अनुमति होगी। मंदिर परिसर में फोटो खींचने, रील बनाने और वीडियो रिकॉर्ड करने पर रोक लगा दी गई है। इस नियम के तहत वीआईपी, बड़ी हस्तियों

और मशहूर लोगों की फोटो या वीडियो बनाने की भी इजाजत नहीं होगी। हिंदू रिलीजियस एंड चैरिटेबल एंडोमेंट्स मंत्री रमेश ने यह जानकारी दी।

वीआईपी लोगों पर भी यही नियम लागू- मंदिर अधिकारियों को प्रवेश द्वार और मंदिर परिसर के बाहर मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर रोक की जानकारी देने वाले बोर्ड लगाने के निर्देश दिए गए हैं। लाउडस्पीकर के जरिए भी श्रद्धालुओं को इस नियम की जानकारी देने को कहा गया है। विभाग ने मंदिर परिसर में फोटो खींचने पर सख्ती की है।

फोटो-वीडियो और रील बनाने पर रोक

यह फैसला 2 दिसंबर 2022 को मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच के आदेश के आधार पर जारी किए गए हैं। मंदिर परिसरों में श्रद्धालुओं, खासकर युवाओं द्वारा फोटो खींचने, रील बनाने और वीडियो रिकॉर्ड करने को लेकर लगातार चिंताएं जताई जा रही थीं। मंत्री ने कहा कि जिन मोबाइल फोन में कैमरा नहीं है, उन्हें मंदिर के अंदर ले जाने की अनुमति होगी। नए नियम का उद्देश्य मंदिरों की पवित्रता और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखना है। कांचीपुरम के प्रसिद्ध मंदिर में व्यवस्था शुरू हो गई है।

राममंदिर ट्रस्ट को मिल गया है पहला सीईओ

पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को कमान, देवरिया के रहने वाले

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पश्चिमी कमान को किया था लीड

अयोध्या (एजेंसी)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को अयोध्या राम मंदिर का पहला सीईओ (चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफीसर) बनाया है। बुधवार को हुई ट्रस्ट की बैठक में उनके नाम का ऐलान किया गया। देवरिया के रहने वाले जितेंद्र मिश्रा ने ऑपरेशन सिंदूर में पश्चिमी वायु कमान को लीड किया था। इसके अलावा बैठक में दिल्ली के महेश भागचंदका, अयोध्या के एडवोकेट मदन मोहन पांडेय और आरएसएस से जुड़ीं शिकोहाबाद की निर्मला यादव को ट्रस्टी बनाया गया है। इसके साथ ही निर्मला यादव ट्रस्ट की पहली महिला सदस्य बन गई हैं। 7 जून को मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला सामने आया था।

समिति के अध्यक्ष ने दी जानकारी

राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से गठित सर्च कमेटी के अध्यक्ष रिटायर्ड जस्टिस प्रमोद कोहली ने पूरी प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शी और निष्पक्ष रखने की बात कही। उन्होंने कहा कि पैनल में शामिल सदस्यों का चयन मेरिट की उत्कृष्टता के आधार पर किया गया है। उन्होंने चयन समिति को लेकर कहा कि इसमें शामिल सभी लोग दूरदर्शी, भरोसेमंद और समर्पित हैं। उनमें काम करने की इच्छा है। जस्टिस कोहली ने कहा कि हम लोगों को यहां योगदान का अवसर मिला है। इसके लिए रामलला और राम मंदिर ट्रस्ट के हम आभारी हैं।

अध्यक्ष के आवास पर हुई बैठक

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के आवास मणिरामदास छावनी पर बैठक का आयोजन हुआ। इसमें ट्रस्ट के पहले सीईओ की नियुक्ति को लेकर चर्चा हुई। बैठक में एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा के नाम पर सहमति बनी। ट्रस्ट की ओर से गठित सर्च कमिटी की ओर से तीन नामों का पैनल सौंपा गया था। इनमें से एक नाम को मंजूरी दी गई।

सज गया ब्रिक्स का मंच, दिल्ली में जुटेंगे दुनियाभर के दिग्गज

भारत में सम्मेलन की बड़ी तैयारी, यूएन महासचिव गुटेरेस भी लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस इस महीने के आखिर में नई दिल्ली में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इस साल अध्यक्ष होने के नाते, भारत 12-13 सितंबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में सम्मेलन की मेजबानी करेगा। इस शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स के सदस्य और सहयोगी देशों के नेताओं के साथ-साथ विशेष रूप से आमंत्रित अतिथि भी शामिल होंगे। गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने मंगलवार को कहा कि हमें अभी आधिकारिक तौर पर यह घोषणा करनी है कि महासचिव लगभग 10 दिनों में नई दिल्ली में होने वाली ब्रिक्स बैठक में भाग लेंगे। बता दें कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता का विषय लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण है। भारत के 25 से अधिक शहरों में 350 से अधिक बैठकें और उच्च-स्तरीय बातचीत हुई हैं, ताकि ब्रिक्स की रणनीतिक साझेदारी को तीन मुख्य आधारों पर मजबूत किया जा सके। इनमें राजनीतिक और सुरक्षा, आर्थिक और वित्तीय तथा सांस्कृतिक और लोगों के बीच आदान-प्रदान शामिल हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इन कार्यक्रमों और बिजनेस-टू-बिजनेस तथा लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने वाली पहलों के माध्यम से, भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता ने आगे बढ़ाने में योगदान दिया है।

दो दिन बाद अमेरिका का ईरान पर फिर मिसाइल हमला

12 की मौत, 68 घायल; जवाब में जॉर्डन-बहरीन के अमेरिकी मिलिट्री बेस पर ईरानी स्ट्राइक

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने ईरान पर 3 दिन में दूसरी बार हमला किया है। अमेरिकी सेना ने मंगलवार रात सिरिक, खुजस्तान, केश्म द्वीप और बंदर अब्बास पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए। ईरान के मुताबिक सिरिक में एक शादी समारोह के दौरान मिसाइल गिराए गिए। इसमें 12 लोगों की मौत हुई जबकि 68 लोग घायल हो गए। मेहर न्यूज के मुताबिक मरने वालों में 4 साल का एक बच्चा भी शामिल है। हमले के बाद सामने आए वीडियो और तस्वीरों में घायल बच्चे अस्पताल में इलाज कराते दिख रहे हैं। वहीं, खुजस्तान प्रांत पर हमले में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग घायल हुए। हालांकि अमेरिका का दावा है कि उन्होंने ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इन हमलों के जवाब में ईरान ने जॉर्डन और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को घेरा।

यूएस अब्राहम लिंकन थाईलैंड पहुंचा

अमेरिकी नौसेना का विमानवाहक पोत स्स-अब्राहम लिंकन बुधवार को थाईलैंड पहुंचा। यह युद्धपोत 200 दिनों से ज्यादा समय तक लगातार समुद्र में रहने के बाद पांच दिन के आराम के लिए यहां रुका है। इस पोत पर करीब 5,000 सैनिक और कर्मचारी तैनात हैं। यह पश्चिम एशिया में ईरान से जुड़े मिशन पर था। लंबे समय तक समुद्र में रहने के कारण जहाज पर तैनात लोगों को मौका नहीं मिला।

यूपी से लेकर बंगाल तक भारी बारिश ने मचाया आतंक

● उत्तराखंड में 12 लोगों की मौत, बिहार में छाया बाढ़ का खतरा ● यूपी में गंगा एक्सप्रेसवे फिर धंसा, एमपी के चित्रकूट में सैलाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड में पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश जारी है। मंगलवार को बारिश से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में 12 लोगों की मौत हो गई। नैनी झील का जलस्तर 88 फीट पार होने के बाद चैनल खोल दिए गए हैं। राज्य में 172 सड़कें बंद हैं। नैनीताल, बागेश्वर और देहरादून में आज ऑरेंज अलर्ट है। पांच जिलों में स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र बंद कर दिए गए हैं। इधर, बिहार में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। राज्य में गंगा-पुनपुन समेत कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। पटना में सुबह से बारिश हो रही है। मंगलवार को तेज बारिश

के कारण शहर के कई इलाकों में पानी भर गया। भागलपुर में 100 साल पुराना दुर्गा मंदिर कटाव के चलते गंगा में समा गया। उत्तर प्रदेश के सीतापुर में भारी बारिश के कारण दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। गाजीपुर में गंगा में नहाते समय दो नाबालिग बह गईं। वहीं, मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से में स्ट्रॉन्ग मानसूनी सिस्टम सक्रिय है। जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में भारी बारिश हो रही है। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से ऊपर है।

दार्जिलिंग रेलवे स्टेशन का लोको शेड ढहा

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग रेलवे स्टेशन के लोको शेड का एक हिस्सा बुधवार को लगातार हो रही भारी बारिश के बीच ढह गया, जिससे वहां काम कर रहे आठ कर्मचारी घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यूनेस्को की विश्व धरोहर में शामिल दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे के प्रभावित कर्मचारियों को चिकित्सकीय उपचार दिया गया।

सीबीआई करेगी दिशा सालियान की मौत की जांच

● हाईकोर्ट का आदेश, सुशांत राजपूत की मैनेजर थीं दिशा ● 2020 में एक्टर की मौत से 6 दिन पहले हुई थी मौत

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत की जांच सीबीआई को सौंप दी। कोर्ट ने यह फैसला दिशा के पिता की याचिका पर सुनाया। इसमें उन्होंने पुलिस की जांच पर सवाल उठाए थे। दिशा की मौत 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड में एक इमारत की 14वीं मंजिल से गिरने से हुई थी। घटना के छह दिन बाद, 14 जून 2020 को सुशांत सिंह भी मुंबई के बांद्रा स्थित अपने अपार्टमेंट में मृत मिले थे। दिशा केस की शुरुआती जांच करीब तीन महीने में बंद कर दी गई थी, लेकिन सोशल मीडिया पर अलग-अलग दावे सामने आने के बाद 2023 में इसे दोबारा खोला गया और एसआईटी बनाई गई। तब से जांच जारी है।

हाईकोर्ट बोला- वरिष्ठ अधिकारी जांच करे- जस्टिस एसवी कोतवाल और आरआर भोसले की बेंच ने 28 अगस्त को दिशा मामले की जांच हत्या के एंगल से कराने की मांग वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। हाईकोर्ट ने आज अपने फैसले में सीबीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी को मामले की जांच की जिम्मेदारी देने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि सिर्फ एफआईआर में नाम होने से कोई व्यक्ति आरोपी नहीं माना जाएगा। अगर जांच में कुछ नहीं मिलता है तो सीबीआई को समरी रिपोर्ट दाखिल करनी होगी। हाईकोर्ट ने फुटेज, गवाहों के बयान, पंचनामा और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट समेत जांच के कई पहलुओं पर सवाल उठाए हैं।

पिता का आरोप- केस को दबाने की कोशिश की गई

दिशा के पिता सतीश सालियान ने हाईकोर्ट में नए सिरे से जांच की मांग की थी। उनका आरोप है कि दिशा के साथ गैंगरेप और हत्या हुई और मामले को दबाने की कोशिश की गई। उन्होंने आदित्य ठाकरे समेत अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर की मांग की थी। हाईकोर्ट के आदेश के बाद दिशा के पिता सतीश सालियान भावुक नजर आए। उन्होंने कहा- मैं 6 साल से इसका इंतजार कर रहा था। खुश होने की कोई वजह नहीं है। मैंने अपनी बेटी को खोया है। आज मुझे राहत महसूस हो रही है। मैंने हाथ जोड़कर जज के प्रति आभार जताया। सतीश सालियान के वकील निलेश ओझा ने कहा कि जिन लोगों के खिलाफ जांच में सबूत मिलेगा, उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। अगर किसी व्यक्ति के खिलाफ सबूत नहीं मिलता है तो उसे आरोपी नहीं बनाया जाएगा। अगर रिपोर्ट नकारात्मक आती है, तो परिवार को उस पर आपत्ति जताने और प्रोटेस्ट पिटीशन दाखिल करने का अधिकार रहेगा। ओझा के मुताबिक, एफआईआर में आदित्य ठाकरे, सूरज पंचोली, डीनो मोरिया, आदित्य ठाकरे के बॉडीगार्ड, रिया चक्रवर्ती, परमबीर सिंह, उद्धव ठाकरे, सचिन वाजे के नाम भी आरोपी के तौर पर दिए गए हैं।

सही समय पर पड़ोसी देशों ने मदद पहुंचाई, धन्यवाद

नेपाली पीएम शाह ने संसद में भारत को कहा शुक्रिया

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने बाढ़ के मुश्किल समय में मदद के लिए भारत

का शुक्रिया अदा किया है। भारत के साथ-साथ चीन को भी शाह ने धन्यवाद दिया है। नेपाल में बीते महीने के आखिरी में आई बाढ़ से भारी तबाही मची है, जिसके बाद पड़ोसी देशों ने नेपाल की दिल खोलकर मदद की है। बाढ़ के बाद कई स्तरों पर जिन देशों ने नेपाल की बढ़-चढ़कर मदद की, उसमें चीन और भारत का नाम सबसे प्रमुख है। बुधवार को नेपाल की संसद में बोलते हुए पीएम बालेन शाह ने कहा कि इतनी बड़ी आपदा के समय अंतरराष्ट्रीय मदद लेने से इनकार करने का सवाल ही नहीं उठता था। नेपाल ने समय पर मदद पाने के लिए निजी क्षेत्र में दूसरे देशों के साथ तालमेल बिठाया। भारत और चीन ने हमें मदद रहते मदद पहुंचाई, जिससे बहुत चीजें समय रहते संभव हो सकीं। नेपाली प्रधानमंत्री बालेन शाह ने संसद में कहा, हमारे मित्र देशों, चीन और भारत ने टेक्नीशियन भेजे थे। पहले ही दिन से उन्होंने इलाके में हुए नुकसान का अंदाजा लगाने और यह पता लगाने के लिए हमारी मदद की कि क्या उस जगह तक पहुंचना मुमकिन है। इव देशों ने हवाई सर्वे समेत कई तरह की जांच-पड़ताल की।

मुश्किल समय में नेपाल के साथ खड़ा रहा भारत

26 अगस्त को तिब्बत में ग्लेशियर टूटने से नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद भारत की ओर से मदद की जा रही जहै। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को बताया कि नेपाल के लिए भारत का पांचवां राहत विमान रवाना हुआ है। यह विमान 11 सदस्यीय बचाव दल, विशेष बचाव उपकरणों और 5.5 टन जरूरी दवाइयों के साथ नेपाल भेजा गया है। नेपाल की मदद के लिए भारत अब तक 68 टन से अधिक राहत सामग्री और विशेष बचाव दल भेज चुका है। भेजी गई राहत सामग्री में कंबल, स्लीपिंग बैग, मजबूत तिरपाल, प्लास्टिक शीट और हाइजीन किट शामिल हैं। इसके अलावा जरूरी दवाइयां, खाद्य पैकेट, सोलर लैंप, पानी शुद्ध करने की गोलियां और पोर्टेबल जनरेटर भेजे गए हैं। नेपाल में 26 अगस्त को आई बाढ़ के बाद से लगातार बचाव अभियान जारी है और लगातार शव मिल रहे हैं। नेपाल पुलिस ने कहा है कि मंगलवार शाम तक 1,127 शव बरामद किए गए हैं। नेपाल पुलिस की वेबसाइट पर लापता लोगों की संख्या अभी भी 4,858 है। ऐसे में अंदेशा है कि मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में रोड एक्सीडेंट में मजदूर की मौत, मुआवजे की मांग पर ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

हाजीपुर। वैशाली के हाजीपुर-जंदाहा मुख्य मार्ग पर बुधवार को एक सड़क हादसे में 45 साल के मजदूर की जान चली गई। यह घटना राजापाकर थाना क्षेत्र के डैनी पुल के पास हुई। मजदूर नाइट ड्यूटी कर घर लौट रहा था, तभी एक अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। मृतक की पहचान शहदेई थाना क्षेत्र के शहरिया पश्चिमी टोला वार्ड नंबर-5 निवासी सोहन राय के रूप में हुई है। वह अपने पिता स्व. पुनीत राय के बेटे थे। बताया गया कि सोहन राय पिकअप से घर जा रहे थे। रास्ते में पिकअप पंचर हो गई, जिसके बाद वह वाहन से उतरकर सड़क किनारे चल रहे थे। तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें रौंद दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया। वे मृतक के परिवार के लिए मुआवजे की मांग पर अड़े रहे। ग्रामीणों ने टक्कर मारने वाले वाहन को भी पकड़ लिया। सूचना मिलते ही राजापाकर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी की। सोहन राय के परिवार में दो बेटियां और दो बेटे हैं, जिनकी अभी शादी नहीं हुई है। वह मजदूरी करके अपने परिवार का गुजारा करते थे। देसरी थाना और राजापाकड़ थाने की पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने 407 माल वाहक वाहन को जब्त कर लिया है और उसके चालक को भी हिरासत में ले लिया है। पुलिस परिजनों और ग्रामीणों को समझाकर सड़क जाम खत्म कराने की कोशिश कर रही है।

रिटायर्ड रेलकर्मियों का सम्मान समारोह, अगस्त महीने के 13 रेलकर्मियों को मिला फाइनल पेमेंट और पीपीओ

हाजीपुर। सोनपुर मंडल के रेल प्रबंधक कार्यालय के सभा कक्ष में अगस्त महीने में सेवानिवृत्त हुए रेलकर्मियों के लिए समापक भुगतान और सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री सुमन कुमार तांती ने 13 सेवानिवृत्त रेलकर्मियों और उनके परिवार वालों को शॉल और पेंशन भुगतान आदेश (PPO) देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही, 18 अगस्त 2026 को दिवंगत हुए एक रेलकर्मी के परिवार को भी उनके सभी बकाए का भुगतान किया गया। अपर मंडल रेल प्रबंधक ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों की लंबी और शानदार सेवाओं की तारीफ की। उन्होंने उनके खुशहाल, स्वस्थ और सम्मानजनक जीवन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आश्रित परिवारों को भरोसा दिलाया कि रेलवे उनके सभी कानूनी बकाए का जल्द निपटारा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस समारोह में अपर मंडल रेल प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, मंडल लेखा अधिकारी (प्रभारी), सहायक कार्मिक अधिकारी, विभिन्न मान्यता प्राप्त यूनियनों के प्रतिनिधि और एससी/एसटी एवं ओबीसी एसोसिएशन के अध्यक्ष व सचिव मौजूद रहे।

सोनपुर मंडल में रेलवे को 28 लाख रेवेन्यू, टिकट चेकिंग में 2881 यात्रियों पर कार्रवाई

हाजीपुर। सोनपुर मंडल में यात्रियों को सुरक्षित और नियमों के अनुसार यात्रा सुविधा देने के लिए एक बड़ा टिकट जांच अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसका मकसद रेलवे के राजस्व को बचाना भी है। इसी कड़ी में 31 अगस्त 2026 को मंडल रेल प्रबंधक श्री अमित सरन और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री धीरज कुमार की देखरेख में एक खास मेगा टिकट जांच अभियान चलाया गया। यह अभियान सोनपुर, हाजीपुर, बरौनी, बेगूसराय, मानसी, खगड़िया, नवगछिया जैसे कई स्टेशनों और ट्रेनों में चला। इसमें टिकट जांच करने वाले कर्मचारी, रेलवे सुरक्षा बल (RPF) और वाणिज्य विभाग की टीमों ने मिलकर गहन जांच की। इस अभियान में बिना टिकट, गलत टिकट या बिना सही अनुमति के यात्रा कर रहे 2,881 यात्रियों पर कार्रवाई की गई। इससे रेलवे को 28 लाख 8 हजार 158 रुपये का राजस्व मिला। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे हमेशा सही टिकट लेकर ही यात्रा करें और रेलवे के नियमों का पालन करें। बिना टिकट या गलत टिकट पर यात्रा करने पर रेलवे अधिनियम के तहत जुर्माना लगाया जाता है। सोनपुर मंडल यात्रियों को बेहतर और सुरक्षित रेल सेवाएं देने के साथ-साथ रेलवे के राजस्व को बचाने के लिए ऐसे विशेष टिकट जांच अभियान जारी रखेगा।

नाबालिग से पड़ोस के दादा ने किया रेप, मुख्य आरोपी भोला शर्मा गिरफ्तार, दूसरे की तलाश में छापेमारी जारी

हाजीपुर। वैशाली में नाबालिग किशोरी से रेप का मामला सामने आया है। घटना बिदुपुर थाना क्षेत्र के मनियारपुर गांव की है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ FIR दर्ज की है। पुलिस ने मुख्य आरोपी भोला शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। दूसरे आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। शिकायत के मुताबिक, आरोपी बच्ची के पड़ोस में रहता है। गांव के रिश्ते से वो उसे दादा बोलती थी। आरोप है कि घटना के दौरान उसे बहाने से अपने पास बुलाया, फिर कमरे में ले जाकर दरवाजा बंद कर दिया। इसके बाद बच्ची के साथ जबरन रेप किया। घटना के बाद किशोरी रोते हुए अपने घर पहुंची और परिजनों को पूरी बात बताई। इसके बाद परिजन उसे लेकर बिदुपुर थाने पहुंचे और पुलिस को लिखित शिकायत दी। पुलिस ने FIR दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। FSL टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से जरूरी सबूत जुटाए। पुलिस ने पीड़िता और गिरफ्तार आरोपी की मेडिकल जांच भी कराई है। पुलिस अधिकारियों ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए जांच से जुड़ी ज्यादा जानकारी अभी नहीं दी है। पुलिस का कहना है कि पीड़िता के बयान, मेडिकल रिपोर्ट, घटनास्थल से मिले सबूतों और दूसरे तथ्यों के आधार पर मामले की जांच आगे बढ़ाई जा रही है। दूसरे आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी जारी है। पुलिस पूरे मामले में सभी पहलुओं की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पटना- अभिनेत्री स्वरा भास्कर के खिलाफ शिकायत

पटना। फिल्म अभिनेत्री स्वरा भास्कर की एक टीवी शो के दौरान पद्मावत के जौहर सीन पर की गई टिप्पणी को लेकर विवाद चल रहा है। पटना में स्वरा भास्कर के खिलाफ लिखित शिकायत दी है। बीजेपी नेता कृष्णा सिंह उर्फ कल्लू ने कोतवाली थाने में शिकायत दी है। सनहा दर्ज हुआ है। उन्होंने अभिनेत्री की टिप्पणी पर आपत्ति जताते हुए कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के बाद कृष्णा सिंह कल्लू ने कहा कि स्वरा भास्कर की टिप्पणी से समाज के एक वर्ग की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कहा, किसी भी हाल में क्षत्रिय महिलाओं या देश की माताओं-बहनों का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अभिनेत्री से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। कृष्णा सिंह ने बताया, इस मामले को लेकर जल्द ही आक्रोश मार्च निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो इस मामले को लेकर कोर्ट का भी रुख किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आज कोतवाली थाने में पुलिस को शिकायत दी गई है। पुलिस की ओर से शिकायत की जांच करने और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है। बीजेपी नेता ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना उचित नहीं है। उन्होंने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। फिलहाल शिकायत के बाद पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

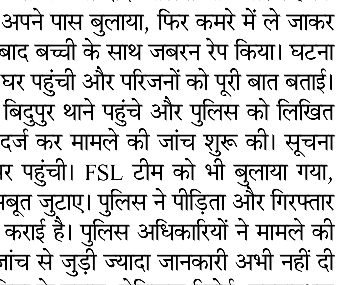

यह पूरा विवाद 31 अगस्त को दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 'वुमन, लाइफ, फ्रीडम' टॉक के दौरान शुरू हुआ था। इवेंट में स्वरा ने फिल्म के जौहर सीन का जिक्र करते हुए कहा की इससे रेप सर्वाइवर्स तक गलत संदेश जा सकता है। उन्होंने आगे कहा 'क्या हम सर्वाइवर्स को यही बताना चाहते हैं कि वे जीने के लायक नहीं हैं, कि अगर आप सच में इज्जतदार और बहादुर महिला होतीं, तो आपने खुद को मार लिया होता? क्या हम यह कह रहे हैं कि रेप किसी महिला की जिंदगी का अंत है?'

बैंक ऑफ इंडिया के नीचे प्लास्टिक गोदाम में लगी आग

बैंक में भरा धुआं, लोग जान बचाने के लिए बाहर भागे, दमकल की कई गाड़ियां मौजूद

एजेंसी, पटना

पटना के जमाल रोड स्थित बैंक ऑफ इंडिया की शाखा के नीचे प्लास्टिक के गोदाम में भीषण आग लग गई। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। बैंक में मौजूद स्टाफ और ग्राहक जान बचाने के लिए बाहर भागने लगे। आग इतनी भीषण थी कि गोदाम में रखा प्लास्टिक समेत पूरा सामान जलकर खाक हो गया। प्लास्टिक का सामान होने के कारण आग तेजी से फैल गई। गोदाम से तेज लपटें और धुआं निकलता देख लोगों ने दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद करीब 45 मिनट में आग पर काबू पाया। फिलहाल, आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

बैंक स्टाफ ने जताई नाराजगीः आग की लपटों और धुएं को देखते हुए सुरक्षा के लिहाज से बिल्डिंग को खाली कराया गया। मौके पर लोदीपुर, कंकड़बाग और सचिवालय अग्निशमन केंद्र से दमकल की गाड़ियां बुलाई गई थीं। करीब 6 बड़ी गाड़ियां मौके पर पहुंची थीं। फिलहाल स्थिति सामान्य है। बैंक के कर्मचारी भी घटना को लेकर काफी परेशान रहे। बैंक कर्मियों ने दमकल विभाग के पदाधिकारियों से नाराजगी जाहिर की। स्टाफ का कहना है कि जहां आग लगी, वहां पेड़-पौधों का गोदाम था। गोदाम को काफी मॉडिफाई करके बनाया गया था। फिलहाल गोदाम के अंदर पानी भरा हुआ है। कांच के शीशे भी टूटे हैं। टेबल-कुर्सी, सोफा और पौधों को काफी नुकसान पहुंचा है। मालिक की ओर से नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

बैंक की शाखा में धुआं भर गया थाः फायर ब्रिगेड के अधिकारी अभिषेक कुमार ने बताया कि सूचना मिली कि बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में आग लगी है। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि आग बैंक के नीचे प्लास्टिक के गोदाम में लगी है। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है। उन्होंने बताया कि आग के कारण बैंक की शाखा में धुआं भर गया था। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। आग कैसे लगी, इसका फिलहाल पता नहीं चल पाया है। आग पर पूरी तरह काबू पाने के बाद इसकी जांच की जाएगी।

चश्मदीद बोला- आग लगते ही खुद से शटर उठाकर पानी डालाः बैंक की बिल्डिंग के सामने मौजूद चाय दुकान संचालक पप्पू ने बताया, मुझे गमला दुकानदार वाले के स्टाफ ने आग लगने की सूचना दी। इसके बाद हमलोग और आसपास के होटल संचालक एक्टिव हो गए। खुद से गोदाम का शटर उठाकर पीछे से पानी डालना शुरू किया। इसी दौरान दमकल की गाड़ी भी मौके पर पहुंच गई। उन्होंने बताया कि दमकल की गाड़ी आने से पहले आसपास के लोगों ने काफी देर तक आग बुझाने की कोशिश की।

पटना में खतरे के निशान से 2 फीट ऊपर गंगा

एजेंसी, पटना

बिहार में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। पटना, बेगुसराय, जहानाबाद, खगड़िया, औरंगाबाद, जमुई, बांका, शेखपुरा और मुजफ्फरपुर में रुक-रुककर बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आज भी पटना समेत प्रदेश के 31 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में भारी बारिश हो सकती है। बाकी 7 जिलों में मौसम सामान्य रहेगा। काले बादल छाए रह सकते हैं। पटना के दानापुर में गंगा खतरे के निशान से 2 फीट ऊपर बह रही है। निचले इलाकों में पानी भरने लगा है। वन विभाग ने सभी लोगों को सतर्क रहने का अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार पहाड़ों पर चट्टानों के बीच पानी की धार काफी तेजी से बह रही है। वहीं रोहतास जिले में लगातार बारिश और सोन नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों से ज्यादा मात्रा में पानी आने के कारण इंद्रपुरी बैराज पर जलदबाव बढ़ गया है। बुधवार शाम बैराज के सभी 69 गेट खोल दिए गए। बैराज से 5.16 लाख क्यूसेक पानी सोन नदी में बहाया जा रहा है। IMD के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी और उससे सटे गंगीय इलाकों में निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इससे ओडिशा, झारखंड और बिहार में बारिश की संभावना है। यह सिस्टम अगले 48 घंटे यानी 5 सितंबर तक बना रहेगा।

बिहार में गंगा उफान पर हैः वहीं बिहार में गंगा उफान पर है। इंद्रपुरी बराज से सोन में 4.25 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद पटना में बाढ़ का खतरा गहरा गया है। दीघा घाट पर गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। पुनपुन नदी भी लाल निशान से 160 सेमी ऊपर पहुंच चुकी है। सदर प्रखंड के नकटा दियारा, दानापुर के पत्रापुर दियारा समेत मोकामा और - बख्तियारपुर के दियारा इलाके में स्कूल बंद हैं। अस्पताल में पानी भरने के बाद इलाज प्रभावित है।

पालीगंज में अज्ञात ट्रक ने बाइक सवार को मारी टक्कर

एजेंसी, पटना

पटना में बुधवार को तेज रफ्तार बालू लदे अज्ञात ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों युवक एक ही गांव के रहने वाले और आपस में साथी बताए जा रहे हैं। हादसा पालीगंज अनुमंडल के रानीतालाब थाना क्षेत्र में हुई है।

मृतक की पहचान दुल्हिनबाजार थाना क्षेत्र के अलीपुर गांव निवासी अजय साव के 24 वर्षीय पुत्र प्रकाश कुमार के रूप में हुई है। घायल युवक की पहचान राहुल पंडित के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, प्रकाश कुमार और राहुल पंडित बाइक से काब गांव स्थित गैस एजेंसी से सिलेंडर लेकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान काब गांव के पास कनपा की ओर से आ रहे तेज रफ्तार बालू लदे अज्ञात ट्रक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवक बाइक से सड़क पर गिर गए। हादसे के बाद मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई।

घटना की सूचना मिलते ही रानीतालाब थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों युवकों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। घायल राहुल पंडित को पहले विक्रम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए पटना एम्स रेफर कर दिया गया।

फतुहा में कई राहगीर खुले नाले में गिरे, नाला साफ करने खोला ढक्कन, जलभराव होने से नहीं दिखा

एजेंसी, पटना

पटना के फतुहा नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 20 स्थित रायपुरा में नाला सफाई के दौरान लापरवाही से बड़ा हादसा होते-होते बच गया। पटना-बख्तियारपुर स्टेट हाईवे-106 पर वी-मार्ट के पास जलभराव के बीच नाले के ढक्कन खोलकर छोड़ दिए गए। पानी इतना भर गया कि सड़क और खुले नाले का फर्क ही नजर नहीं आ रहा था। मंगलवार शाम से बुधवार सुबह तक कई राहगीर, साइकिल और बाइक सवार खुले नाले के गड्ढे में गिर गए। हालांकि, आसपास मौजूद दुकानदारों और स्थानीय लोगों ने तत्काल मदद कर सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। बुधवार सुबह बाइक सवार दो लोग भी इसी खुले नाले में जा गिरे।

पानी में डूबा रहा नाला, सड़क-गड्ढे का पता नहीं चलाः स्थानीय लोगों और दुकानदारों के मुताबिक, रायपुरा में लंबे समय से नाला जाम है। बारिश और नाले का गंदा पानी सड़क पर जमा रहता है। जलभराव के कारण सड़क के गड्ढे दिखाई नहीं देते। इससे पहले भी कई ई-रिक्शा और बाइक यहां पलट चुके हैं। जलभराव की समस्या दूर करने के लिए नगर परिषद की ओर से मंगलवार को वी-मार्ट के पास नाले की सफाई शुरू की गई। सफाई के लिए नाले के स्लैब यानी ढक्कन खोल दिए गए। लेकिन पानी निकासी नहीं होने के कारण पूरा रास्ता पानी में डूबा रहा और खुले नाले की जगह का अंदाजा लगाना मुश्किल हो गया।

मंगलवार शाम से गिरने का सिलसिला जारीः मंगलवार देर शाम पानी से भरे रास्ते से गुजर रहे कई राहगीर, साइकिल और बाइक सवार अचानक खुले नाले के गड्ढे में जा गिरे। बुधवार सुबह भी बाइक पर सवार दो लोग इसी नाले में गिर गए। एक के बाद एक लोगों के गिरने से मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। आसपास के दुकानदार और स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद सभी को नाले से बाहर निकाला। स्थानीय लोगों की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया।

लोगों का आरोप- सुरक्षा इंतजाम के बिना खोला नालाः स्थानीय लोगों का कहना है कि नाला सफाई जरूरी थी, लेकिन ढक्कन खोलने के बाद वहां सुरक्षा के इंतजाम भी किए जाने चाहिए थे। पानी भरे होने के कारण वाहन चालकों को खुले नाले का पता ही नहीं चल रहा था। उनका आरोप है कि बैरिकेडिंग या संकेतक लगाए गए होते तो लोग नाले में गिरने से बच सकते थे।

सिटी मैनेजर बोले- स्थिति को तुरंत संभाला जा रहाः नगर परिषद के सिटी मैनेजर कुमार गौरव ने बताया कि इलाके की गंभीर जलभराव की समस्या को देखते हुए ही नाले की सफाई कराई जा रही थी। सफाई के लिए नाले के ढक्कन खोले गए थे। उन्होंने कहा कि अगर ऐसी कोई घटना हुई है तो स्थिति को तुरंत संभाला जा रहा है। आगे किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं।

लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल में खिलाड़ियों को मिलेगी स्पोर्ट्स इंज्यूरी की आधुनिक सुविधा, अक्टूबर तक शुरू होने की उम्मीद

एजेंसी, पटना

पटना के लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल (LNJP) में खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स इंज्यूरी के इलाज की आधुनिक सुविधा जल्द मिलेगी। यह एशिया का सबसे बड़ा हड्डी रोग अस्पताल है। अस्पताल प्रशासन ने इसकी तैयारियां तेज कर दी हैं। एक MOU साइन होने के बाद सफदरजंग अस्पताल के डॉक्टरों और कर्मचारियों की टीम LNJP का निरीक्षण कर चुकी है। निरीक्षण के बाद तैयार रिपोर्ट स्वास्थ्य विभाग को भेजी गई है। इस सुविधा के तहत स्पोर्ट्स फिजियोथैरेपिस्ट, साइकोलॉजिस्ट, ट्रेनर और डाइटीशियन भी उपलब्ध होंगे।

अक्टूबर महीने से स्पोर्ट्स इंज्यूरी की सुविधा होगी शुरूः LNJP अस्पताल के निदेशक डॉ. राकेश चौधरी ने बताया, 'अक्टूबर महीने तक स्पोर्ट्स इंज्यूरी की सुविधा शुरू होने की पूरी उम्मीद है। इसके लिए अस्पताल में जरूरी संसाधन और व्यवस्थाएं तैयार की जा रही हैं। नई व्यवस्था के तहत खिलाड़ियों को सिर्फ ऑपरेशन की सुविधा नहीं मिलेगी। चोट लगने के बाद रिकवरी से लेकर दोबारा मैदान पर वापसी तक की पूरी प्रक्रिया एक ही सिस्टम के तहत विकसित की जाएगी।'

दूसरे शहरों या निजी अस्पतालों में नहीं जाना पड़ेगाः खेल के दौरान खिलाड़ियों को अक्सर लिगामेंट, मांसपेशियों, हड्डियों और जोड़ों से जुड़ी चोटें लगती हैं। कई बार सही समय पर इलाज न मिलने से खिलाड़ी लंबे समय तक खेल से दूर हो जाते हैं। ऐसे में विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखभाल के साथ सही फिजियोथैरेपी और रिहैबिलिटेशन भी बहुत जरूरी होता है। LNJP में यह नई सुविधा शुरू होने के बाद खिलाड़ियों को ऐसी चोटों के लिए विशेषज्ञों से इलाज मिलना आसान हो जाएगा। इससे उन्हें इलाज के लिए दूसरे शहरों या निजी अस्पतालों पर कम निर्भर रहना पड़ेगा। अस्पताल प्रशासन स्पोर्ट्स इंज्यूरी सेंटर को केवल सर्जरी तक सीमित नहीं रखना चाहता। खिलाड़ियों को चोट के बाद पूरी तरह फिट करने के लिए इलाज, फिजियोथैरेपी, मानसिक तैयारी, ट्रेनिंग और डाइट सभी पहलुओं पर काम किया जाएगा। इसके लिए विशेषज्ञों की टीम तैयार करने की योजना है। इसमें स्पेशलाइज्ड फिजियोथैरेपिस्ट, स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट, स्पोर्ट्स ट्रेनर और स्पोर्ट्स डाइटीशियन शामिल होंगे। चोट के बाद खिलाड़ी को मैदान पर लौटने में केवल सर्जरी ही पर्याप्त नहीं होती। चोटिल हिस्से की ताकत और मूवमेंट वापस लाने के लिए लंबे समय तक फिजियोथैरेपी और रिहैबिलिटेशन की जरूरत पड़ सकती है। वहीं, गंभीर चोट के बाद खिलाड़ी को मानसिक रूप से तैयार करने में स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। इसके अलावा खिलाड़ियों की फिटनेस और खान-पान पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। स्पोर्ट्स डाइटीशियन खिलाड़ियों की जरूरत के अनुसार डाइट प्लान तैयार करने में मदद करेंगे। वहीं स्पोर्ट्स ट्रेनर उनकी फिटनेस और ट्रेनिंग को बेहतर बनाने पर काम करेंगे। अस्पताल प्रशासन का उद्देश्य ऐसी व्यवस्था तैयार करना है, जिसमें खिलाड़ी को चोट लगने से लेकर उपचार, रिकवरी और दोबारा खेल में लौटने तक विशेषज्ञों की मदद एक ही जगह पर मिल सके।

कंधे-घुटने और एंकल का दूरबीन से होगा ऑपरेशन

फुलवारीशरीफ में हर्ष फायरिंग करने वाले युवक पर एफआईआर

एजेंसी, पटना

पटना सिटी के दीदारगंज में हर्ष फायरिंग का एक वीडियो इंस्टाग्राम पर वायरल हुआ है। इस वीडियो में फायरिंग करते दिख रहे युवक की एक फोटो दीदारगंज थाना प्रभारी के साथ भी सामने आई है। ग्रामीण एसपी के निर्देश के बाद दीदारगंज थाने में युवक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने वायरल वीडियो की जांच शुरू की। जांच के दौरान फायरिंग करते दिख रहे युवक की पहचान सुमित कुमार उर्फ छोटे के रूप में हुई है। सुमित की उम्र करीब 30 साल है। वह दीदारगंज थाना क्षेत्र के खानपुर गांव के रहने वाले नागेंद्र प्रसाद सिंह उर्फ नागो सिंह का बेटा है।

थाना प्रभारी के साथ तस्वीर भी आई सामनेः मामला सामने आने के बाद ग्रामीण एसपी के निर्देश पर दीदारगंज थाने में केस दर्ज किया गया। इस घटना के बाद हर्ष फायरिंग करते युवक की फोटो दीदारगंज थाना प्रभारी के साथ भी वायरल हो गई। पुलिस को सोशल मीडिया के जरिए यह वायरल वीडियो मिला था। अधिकारियों ने निर्देश पर पुलिस ने वीडियो की सच्चाई और उसमें दिख रहे युवक की पहचान के लिए गोपनीय जांच शुरू की।

घटना की जांच जारीः जांच के दौरान पुलिस टीम ने स्थानीय स्तर पर भी जानकारी जुटाई। महाल चौकीदार संजय पासवान खानपुर गांव पहुंचे और ग्रामीणों से पूछताछ की। ग्रामीणों ने वायरल वीडियो में हर्ष फायरिंग करते दिख रहे शख्स की पहचान सुमित कुमार उर्फ छोटे के रूप में की। हालांकि, ग्रामीणों ने यह साफ नहीं बताया कि वीडियो कब और कहां बनाया गया था। पुलिस जांच में यह भी पता चला है कि यह वीडियो इंस्टाग्राम आईडी sumityadav-6161 से वायरल हुआ था। पुलिस ने वायरल वीडियो को सबूत के तौर पर पेन ड्राइव में सुरक्षित कर लिया है। इसे जांच रिपोर्ट के साथ लगाया गया है।

'तेजप्रताप और उनके दोस्त जबरन मेरे कमरे में घुसे'

एजेंसी, पटना

दिल्ली के होटल में चप्पल कांड को लेकर तेज प्रताप यादव और बिहार सरकार के मंत्री संजय सिंह के बीच आरोप-प्रत्यारोप के बाद अब एक महिला ने तेजप्रताप पर आरोप लगाए हैं। महिला की पहचान मोनिका मनी के रूप में हुई है। मोनिका मनी पहले तेजप्रताप की पार्टी की सदस्य थीं। वो मिसेज इंडिया 2017 की रनर अप भी रह चुकी हैं। मोनिका ने एक न्यूज चैनल को दिए वीडियो इंटरव्यू में दावा किया है कि दिल्ली के एक होटल में तेज प्रताप यादव और उनका एक दोस्त जबरदस्ती कमरे में घुस आए थे। मोनिका के मुताबिक, उन्होंने दोनों से कमरे से बाहर जाने को कहा था और ऐसा नहीं करने पर होटल मैनेजर को बुलाकर शिकायत करने की बात कही थी। इसके बाद दोनों लोग वहां से तेजी से निकले थे।

मोनिका ने बताया कि वह पहले से दिल्ली में थीं। उनके अनुसार, तेज प्रताप यादव ने उन्हें फोन करके एक पार्टी में बुलाया था। उसी दौरान तेजस्वी यादव के बेटे के जन्मदिन से जुड़ा कार्यक्रम भी था। मोनिका का दावा है कि उस समय तेज प्रताप यादव 'भोजपुरिया बवाल' नामक टीवी कार्यक्रम से जुड़े हुए थे।

बिहार में खुलेगा एनएसडी का कैंपस, मंत्री प्रमोद बोले- कलाकारों को देश-दुनिया में मिलेगी नई पहचान

एजेंसी, पटना

बिहार के कलाकारों के लिए बड़ी खुशखबरी है। राज्य में नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (NSD) का कैंपस खोलने की दिशा में सहमति बन गई है। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग मंत्री प्रमोद चंद्रवंशी ने बताया कि बिहार के कलाकार लंबे समय से राज्य में NSD का कैंपस खोलने की मांग कर रहे थे। मुख्यमंत्री की सहमति के बाद विभाग की ओर से केंद्र सरकार को इस संबंध में पत्र भेजा गया था।

मुख्यमंत्री की सहमति के बाद केंद्र को भेजा गया पत्रः मंत्री प्रमोद चंद्रवंशी ने बताया कि मंत्री बनने के बाद कई कलाकारों ने उनसे मुलाकात कर बिहार में NSD कैंपस खोलने की मांग रखी थी। इस प्रस्ताव को मुख्यमंत्री के सामने रखा गया। इसके बाद मुख्यमंत्री की सहमति से केंद्र सरकार को पत्र भेजा गया।

38 जिलों में 3 हजार बच्चों को मिल रही कला की ट्रेनिंगः मंत्री प्रमोद चंद्रवंशी ने कहा, बिहार सरकार आम्रपाली प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से राज्य के सभी 38 जिलों में करीब 3 हजार बच्चों को कला की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण दे रही है। इसमें शास्त्रीय गायन, कथक, भरतनाट्यम, तबला, ढोलक और हारमोनियम सहित कई विधाएं शामिल हैं। खासतौर पर ग्रामीण इलाकों के बच्चों की प्रतिभा को पहचानकर उसे निखारने पर जोर दिया जा रहा है।

3000 बच्चों को मिलेगा कला प्रशिक्षण

108 मीटर लंबी मिथिला पेंटिंग ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्डः प्रमोद चंद्रवंशी ने मिथिला चित्रकला संस्थान, मधुबनी की उपलब्धि का जिक्र करते हुए कहा, 'रामचरितमानस पर आधारित 108 मीटर लंबी मिथिला पेंटिंग तैयार की गई है, जिसे वर्ल्ड रिकॉर्ड का दर्जा मिला है।' उन्होंने इसे बिहार के कलाकारों और युवाओं के लिए गौरव की बात बताया।

240 सांस्कृतिक कार्यक्रमों का कैलेंडर तैयारः राज्य में कलाकारों को मंच उपलब्ध कराने के लिए करीब 240 सांस्कृतिक कार्यक्रमों का कैलेंडर तैयार किया गया है। अलग-अलग जिलों में इनका आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए किसी पास या शुल्क की आवश्यकता नहीं है। 'शुक्र गुलजार' हर महीने के दूसरे शुक्रवार और 'शनिवार' महीने के चौथे शनिवार को आयोजित किया जाता है। इन कार्यक्रमों के जरिए कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल की प्राकृतिक आपदा पर सीकरीया फार्मेसी कॉलेज में शोक सभा

बीएनएम@ मोतिहारी। नगर के सीकरीया फार्मेसी कॉलेज में नेपाल में आई प्राकृतिक आपदा में हुई जनहानि पर शोक सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता एवं उद्योगपति यमुना सीकरीया, पूर्व प्रदेश प्रवक्ता भाजपा अखिलेश सिंह, जदयू महासचिव दीपक पटेल, प्रिंसिपल प्रीति दुबे सहित सभी शिक्षक एवं छात्रों ने मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और एक मिनट का मौन रखा। भाजपा नेता यमुना सीकरीया ने कहा कि नेपाल की प्राकृतिक आपदा में भारी जनहानि हुई है। लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, जो बेहद पीड़ादायक है। ईश्वर मृतकों की आत्मा को शांति प्रदान करें। उन्होंने कहा कि भारत की मोदी सरकार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जल, थल एवं वायु सेना के माध्यम से नेपाल में मदद पहुंचाई है, ताकि नेपाल इस त्रासदी से जल्द से जल्द उबर सके।अखिलेश सिंह ने कहा कि यह बेहद दुखद घटना है। भारत और नेपाल के बीच रोटी-बेटी का संबंध है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के नेतृत्व में भारत दुनिया का ऐसा देश है, जो किसी भी आपदा के समय सबसे पहले मदद के लिए आगे आता है। नेपाल में भी भारत इसी भूमिका का निर्वहन कर रहा है। भारत की सामाजिक संस्थाएं भी नेपाल की मदद में जुटी हुई हैं। उन्होंने कहा कि सभी भारतीय इस दुख की घड़ी में नेपाल के साथ खड़े हैं।

7 सितंबर को जिला नियोजनालय में लगेगा रोजगार कैंप, 10 पदों पर होगी भर्ती

बीएनएम@ मोतिहारी। जिला नियोजनालय के परिसर में 7 सितंबर 2026 को सुबह 11 बजे एक दिवसीय रोजगार सह करियर मार्गदर्शन कैंप का आयोजन किया जाएगा। कैंप में श्री ओम ऑटोमोटिव्स प्राइवेट लिमिटेड भाग लेगी। कंपनी द्वारा सेवा पर्यवेक्षक के पद पर अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। कुल 10 रिक्त पदों पर भर्ती की जानी है। इसके लिए अभ्यर्थी का न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं पास एवं आईटीआई होना आवश्यक है। पुरुष अभ्यर्थियों के लिए आयु सीमा 18 से 32 वर्ष निर्धारित की गई है। चयनित अभ्यर्थियों का कार्यस्थल पूर्वी चंपारण जिले में होगा। मानदेय का निर्धारण साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा। कंपनी की ओर से अभ्यर्थियों को मानदेय के अलावा प्रोत्साहन राशि, भविष्य निधि (पीएफ) एवं चिकित्सा सुविधा सहित अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। इच्छुक अभ्यर्थी अपना रिज्यूमे/बायोडाटा, मूल प्रमाणपत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक एवं पासपोर्ट आकार की फोटो के साथ 7 सितंबर को सुबह 11 बजे जिला नियोजनालय परिसर में आयोजित रोजगार कैंप में उपस्थित होकर भाग ले सकते हैं।

चलचित्र के माध्यम से नशा विरोधी जागरूकता, विद्यार्थियों को मिला सकारात्मक संदेश

बीएनएम@ रक्सौल/वीरगंज। नशे की लत से व्यक्ति, परिवार और समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से दक्षिण क्षेत्र माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए जागरूकतामूलक चलचित्र का प्रदर्शन किया गया। वीरगंज स्थित त्रिमूर्ति सिनेमा हॉल में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। चलचित्र के माध्यम से नशे के दुरुपयोग से होने वाले स्वास्थ्य एवं सामाजिक जोखिमों, गलत संगत से बचने तथा स्वस्थ एवं जिम्मेदार जीवनशैली अपनाने के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। मनोरंजन के साथ शिक्षा और सामाजिक जागरूकता को जोड़कर आयोजित यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रभावी रहा। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, चलचित्र के माध्यम से दिए गए संदेश ने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने तथा अपने साथियों और समुदाय के बीच भी सकारात्मक संदेश फैलाने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की ओर से कहा गया कि विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के साथ सामाजिक चेतना और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में इस तरह के कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को 'नशे को नहीं, स्वस्थ और सकारात्मक जीवन को चुनें' का संदेश दिया गया। आयोजकों के अनुसार, कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने नशे से होने वाले स्वास्थ्य एवं सामाजिक जोखिमों को समझने के साथ जीवन में सही और जिम्मेदार निर्णय लेने की प्रेरणा प्राप्त की।

गन्ना विकास पर सवाल: केन ऑफिसर बोले- पदस्थापना के बाद अभी कुछ नहीं किया

पूर्वी चंपारण में घटती गन्ना खेती और किसानों की शिकायतों के बीच ईख विभाग की कार्यशैली पर उठे सवाल, किसानों ने सक्रियता बढ़ाने की मांग की

बीएनएम@ सागर सूरज

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण में गन्ने की खेती को बढ़ावा देने और किसानों की समस्याओं के समाधान की जिम्मेदारी संभाल रहे ईख विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। किसानों का आरोप है कि जिले में गन्ने की खेती लगातार सिमट रही है, लेकिन विभागीय स्तर पर किसानों के बीच अपेक्षित सक्रियता दिखाई नहीं दे रही है।

मामले में ईख पदाधिकारी श्रीराम सिंह से जब उनकी पदस्थापना के बाद किए गए कार्यों के संबंध में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि पदस्थापना के बाद उन्होंने अभी कुछ नहीं किया है। उन्होंने यह भी कहा कि ईख विकास और किसानों की मदद करना उनके काम का हिस्सा है।

किसानों का कहना है कि पूर्वी चंपारण में गन्ना किसानों के सामने सबसे बड़ी समस्या चीनी मिलों की उपलब्धता की है।

मोतिहारी का हनुमान चीनी मिल लंबे समय से बंद है, जबकि सुगौली स्थित चीनी मिल के संचालन को लेकर भी किसान नियमित व्यवस्था नहीं होने की शिकायत करते रहे हैं। ऐसे में जिले के किसान दूसरे जिलों में संचालित चीनी मिलों के लिए गन्ने की खेती करना चाहते हैं।

किसानों के अनुसार गन्ना नकदी फसल होने के कारण उनके लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन उचित विपणन व्यवस्था और विभागीय सहयोग के अभाव में इसका रकबा लगातार प्रभावित हो रहा है।

किसानों का आरोप है कि गन्ना विकास से जुड़े अधिकारियों की ओर से किसानों को उन्नत तकनीक, बेहतर प्रजातियों, उत्पादन बढ़ाने के उपाय और दूसरी चीनी मिलों तक गन्ना पहुंचाने से संबंधित आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त पहल नहीं की जा रही है। कुछ किसानों ने ईख पदाधिकारी के कार्यालय में शिकायत करने और समस्याएं रखने के दौरान अपेक्षित सहयोग नहीं मिलने का भी आरोप लगाया है।

किसानों का कहना है कि यदि विभाग नियमित रूप से गांवों में जाकर गन्ने की खेती की स्थिति का सर्वे करे, किसानों से सीधे संवाद स्थापित करे और उनकी समस्याओं को संबंधित चीनी मिलों व विभागीय अधिकारियों के समक्ष उठाए तो जिले में गन्ना खेती को फिर से बढ़ावा दिया जा सकता है।

सबसे बड़ा सवाल विभागीय सक्रियता पर- किसानों का सवाल है कि जब जिले में गन्ने की खेती का दायरा सीमित हो रहा है और चीनी मिलों की समस्या बनी हुई है तो ईख विभाग की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण क्यों नहीं हो रही?

किसानों ने जिला प्रशासन और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से ईख कार्यालय की कार्यप्रणाली, किसानों की शिकायतों और गन्ना विकास के लिए अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा कराने की मांग की है।

ईख पदाधिकारी श्रीराम सिंह के अनुसार, पदस्थापना के बाद अभी कोई कार्य नहीं किया गया है।

ऐसे में किसानों का सवाल है कि यदि गन्ना विकास और किसानों की मदद करना विभागीय जिम्मेदारी है तो उस दिशा में पहल कब शुरू होगी? अब पूरे मामले में विभागीय कार्रवाई और किसानों के लिए ठोस पहल का इंतजार है।

इम्तियाज अहमद बने जिला मीडिया सेल एवं अल्पसंख्यक अधिकार मंच के संयोजक

बीएनएम@ मोतिहारी

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने इम्तियाज अहमद को जिला मीडिया सेल एवं अल्पसंख्यक अधिकार मंच का जिला संयोजक मनोनीत किया है। उनके मनोनयन पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है। पार्टी नेताओं ने उन्हें बधाई देते हुए सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं। पार्टी के राज्य कमिटी सदस्य एवं महागठबंधन के पिपरा विधानसभा क्षेत्र से पूर्व प्रत्याशी कॉमरेड राजमंगल प्रसाद ने इम्तियाज अहमद को बधाई देते हुए कहा कि उनके मनोनयन से संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि इम्तियाज अहमद पार्टी की नीतियों, जनसमस्याओं तथा अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से जनता के बीच उठाने का काम करेंगे। पार्टी के जिला सचिव कॉमरेड सत्येंद्र कुमार मिश्रा ने कहा कि वर्तमान समय में मीडिया जनसरोकार और आम जनता की समस्याओं को समाज तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि इम्तियाज अहमद की सक्रियता और अनुभव से पार्टी के मीडिया कार्यों को नई गति मिलेगी तथा अल्पसंख्यक अधिकारों से जुड़े अभियानों को भी मजबूती प्राप्त होगी। इम्तियाज

अहमद के मनोनयन पर लोकल कमिटी सेक्रेटरी कॉमरेड मुकेश कुमार, दिलीप कुमार, धर्मनाथ यादव, अमन यादव, अजय कुमार यादव, पूर्व जिला पार्षद सुरेंद्र चौधरी, फजले अहमद सहित अनेक पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। पार्टी नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि इम्तियाज अहमद अपनी नई जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए संगठन को मजबूत बनाने के साथ-साथ जनहित, सामाजिक न्याय और अल्पसंख्यक अधिकारों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से आगे बढ़ाएंगे।

नेपाल से शराब की खेप लेकर भारत आ रहे दो तस्कर, एक गिरफ्तार

एसएसबी ने 182 बोतल नेपाली शराब और दो मोटरसाइकिलें की जब्त, एक तस्कर मौके से फरार

बीएनएम@ मोतिहारी

71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), मोतिहारी की सीमा चौकी बड़हरवा के जवानों ने सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 182 बोतल नेपाली शराब बरामद कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान दो मोटरसाइकिलें भी जब्त की गईं। बरामद शराब की कुल मात्रा 54.6 लीटर बताई गई है। जानकारी के अनुसार, सीमा चौकी बड़हरवा के जवान गांव बड़हरवा के समीप सूचना-आधारित पेट्रोलिंग कर रहे थे। इसी दौरान नेपाल की ओर से भारत की तरफ दो व्यक्ति दो मोटरसाइकिलों पर आते दिखाई दिए। संदिग्ध गतिविधि को देखते हुए जवानों ने दोनों मोटरसाइकिलों को रोकने का प्रयास किया। जवानों को देखते ही दोनों भागने लगे। एसएसबी जवानों ने तत्परता दिखाते हुए एक मोटरसाइकिल सवार को पकड़ लिया, जबकि दूसरा तस्कर अपनी

मोटरसाइकिल मौके पर छोड़कर फरार हो गया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान संदीप कुमार (28), पिता स्वर्गीय राम विश्वास राय, निवासी ग्राम एवं पोस्ट बनकटवा, थाना जितना, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। गिरफ्तार व्यक्ति की मोटरसाइकिल की तलाशी लेने पर सीट कवर के नीचे, पेट्रोल टैंक और डिक्की से 60 बोतल एम्बिशन नेपाली शराब बरामद हुई। वहीं, मौके पर छोड़ी गई दूसरी मोटरसाइकिल की तलाशी में सीट कवर के नीचे, डिक्की और पेट्रोल टैंक से 80 बोतल कस्तूरी नेपाली शराब तथा एक बोरी से 42 बोतल रहर नेपाली शराब बरामद की गई। इस कार्रवाई में एसएसबी ने कुल 182 बोतल (54.6 लीटर) नेपाली शराब और दो हीरो ग्लैमर मोटरसाइकिलें जब्त की हैं।एसएसबी के अनुसार, जब्त शराब, दोनों मोटरसाइकिलों और गिरफ्तार आरोपी को नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस थाना जितना, जिला पूर्वी चंपारण को सुपुर्द किया जा रहा है। फरार तस्कर की तलाश में कार्रवाई जारी है।

'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' आत्मनिर्भर और विकसित भारत का राष्ट्रीय मंत्र : सम्मेलन

बीएनएम@ मोतिहारी

महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में आयोजित 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' सम्मेलन में राष्ट्र की सुरक्षा, किसानों की समृद्धि तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की बढ़ती सामर्थ्य पर चर्चा हुई। सम्मेलन को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' महज एक उद्घोष नहीं, बल्कि सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण का राष्ट्रीय मंत्र है। सम्मेलन में कहा गया कि आज भारत अपनी सीमाओं की सुरक्षा के साथ कृषि एवं किसान कल्याण तथा अत्याधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश अपनी सामरिक शक्ति के साथ वैज्ञानिक एवं कृषि सामर्थ्य को भी वैश्विक स्तर पर स्थापित कर रहा है। चंपारण की ऐतिहासिक धरती से आत्मनिर्भरता, नवाचार और राष्ट्रनिर्माण के नए संकल्प को मजबूत करने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि जिस चंपारण ने महात्मा गांधी के सत्याग्रह के माध्यम से देश को नई दिशा दी, वहीं से राष्ट्र के विकास और आत्मनिर्भरता के लिए नए संकल्प को आगे बढ़ाना गौरव की

बात है। कार्यक्रम में बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त), लेफ्टिनेंट जनरल अनिंदया सेनगुप्ता, मेजर जनरल जितेंद्र सिंह, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), बेंगलुरु के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रवि के. जी., भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल), बेंगलुरु के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मनोज जैन सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर रक्षा मंत्रालय के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित रक्षा एन्क्लेव प्रदर्शनी केंद्र का शिलान्यास किया गया। वहीं हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के सीएसआर फंड से निर्मित बालिका छात्रावास तथा सांसद निधि से निर्मित रक्षा कैंटीन एवं भंडार भवन का उद्घाटन किया गया। सम्मेलन के माध्यम से देश की रक्षा शक्ति, कृषि विकास और वैज्ञानिक प्रगति को एक साथ जोड़कर आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के निर्माण की दिशा में सामूहिक प्रयास का संदेश दिया गया।

इंडिका कार से 500 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद, कारोबारी चिन्हित

बीएनएम@ हरसिद्धि

गुप्त सूचना के आधार पर हरसिद्धि पुलिस ने थाना क्षेत्र के दामोवृति गांव में कार्रवाई करते हुए एक इंडिका कार से 500 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की है। शराब को 10 बोरियों में रखा गया था। हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दामोवृति गांव में एक इंडिका कार में भारी मात्रा में देसी चुलाई शराब रखी गई है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए कार की तलाशी ली, जहां से 10 बोरा में रखी करीब 500 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद हुई। थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब कारोबार में संलिप्त कारोबारी की पहचान कर ली गई है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

30 वर्ष से अधिक आयु के 25 लाख लोगों की होगी स्वास्थ्य जांच

'जांच एवं उपचार–चिकित्सा आपके द्वार' अभियान का शुभारंभ, 30 नवंबर तक चलेगा विशेष अभियान

बीएनएम@ मोतिहारी

गैर-संचारी रोगों एवं अन्य गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान और उपचार के उद्देश्य से बुधवार को जिले में 'जांच एवं उपचार–चिकित्सा आपके द्वार' विशेष अभियान का शुभारंभ किया गया। सदर अस्पताल, मोतिहारी में आयोजित कार्यक्रम में नगर निगम की महापौर प्रीति गुप्ता एवं सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में अभियान की शुरुआत हुई। सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार ने बताया कि अभियान के तहत जिले में 30 वर्ष से अधिक आयु के करीब 25 लाख लोगों की स्क्रीनिंग की जाएगी। इस दौरान मधुमेह, उच्च रक्तचाप, सामान्य कैंसर, हृदय रोग, श्वसन एवं फेफड़ों से संबंधित रोग, फैटी लिवर, एनीमिया, सिफलिस सहित अन्य प्रमुख बीमारियों की जांच की जाएगी। जांच के दौरान संभावित रोगियों की पहचान कर उनके उपचार और आवश्यक फॉलोअप की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने बताया कि यह विशेष अभियान 2 सितंबर से 30 नवंबर 2026 तक चलेगा। स्वास्थ्य उपकेंद्र से लेकर जिला अस्पताल तक निर्धारित स्वास्थ्य संस्थानों में स्क्रीनिंग एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध रहेगी। अभियान के तहत आशा कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में 30 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को जागरूक कर उन्हें आयुष्मान आरोग्य मंदिर, अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक लाएंगी। यहां आवश्यक जांच के बाद संभावित रोगियों को उपचार तथा जरूरत पड़ने पर उच्चतर स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर किया जाएगा। सिविल सर्जन ने कहा कि अभियान की सफलता के लिए सभी एएनएम, जीएनएम, सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी, आयुष चिकित्सक एवं चिकित्सा पदाधिकारी सक्रिय रूप से भाग लेंगे। उन्होंने जिले के 30 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों से अभियान के दौरान अपनी स्वास्थ्य जांच कराने की अपील की। महापौर प्रीति गुप्ता ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि लोग अधिक से अधिक संख्या में स्वास्थ्य जांच केंद्रों पर पहुंचकर अपनी जांच कराएं। उन्होंने अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करने की अपील की, ताकि सभी लक्षित लोगों की स्क्रीनिंग सुनिश्चित हो सके और बीमारी की पहचान होने पर समय पर उपचार शुरू किया जा सके। उन्होंने कहा कि समय पर बीमारी की पहचान और उपचार से स्वस्थ एवं समृद्ध समाज के निर्माण में मदद मिलेगी। अभियान के शुभारंभ के अवसर पर जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. शरतचंद्र शर्मा, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. मुकेश कुमार, जिला कार्यक्रम समन्वयक भारत भूषण, जिला अनुश्रवण एवं मूल्यांकन पदाधिकारी अमानुल्लाह अमन, अस्पताल प्रबंधक कौशल दुबे, आशीष कुमार, एफएलसी सहित स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर कार्यपालक पदाधिकारियों के साथ बैठक

बीएनएम@ मोतिहारी

आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के सचिव नितिन त्रिपाठी के कक्ष में बैठक हुई। अध्यक्षता मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पुनीत कुमार तिवारी ने की। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यपालक पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान विशेष रूप से यातायात चालान से संबंधित मामलों के अधिक से अधिक निष्पादन पर जोर दिया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी निबेदिता कुमारी को तीन माह पुराने लंबित यातायात चालानों

को चिह्नित कर अधिक से अधिक मामलों का निष्पादन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया, ताकि आम नागरिक राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठा सकें। जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ज्ञानेश्वर कुमार को लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार का निर्देश दिया गया। इसके लिए प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ सोशल मीडिया, पोस्टर, बैनर तथा अन्य उपलब्ध माध्यमों का प्रभावी उपयोग करने को कहा गया, ताकि अधिक से अधिक लोगों को लोक अदालत की प्रक्रिया एवं इसके लाभ की जानकारी मिल सके। बैठक में वन विभाग, विधिक माप-विज्ञान (बाट एवं माप) विभाग तथा श्रम विभाग के पदाधिकारियों को भी अपने-अपने विभाग से संबंधित अधिक से अधिक समझौतायोग्य मामलों को चिह्नित कर 12 सितंबर को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में उनके त्वरित निष्पादन के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान आम नागरिकों से अपील की गई कि वे अपने लंबित यातायात चालान एवं अन्य समझौतायोग्य मामलों के निपटारे के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठाएं और निर्धारित तिथि को महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में उपस्थित होकर मामलों का समाधान कराएं।

संक्षिप्त समाचार

नियोजित शिक्षक ललन पंजियार के निधन से शिक्षा जगत में शोक

बीएनएम@ रामगढ़वा। रामगढ़वा प्रखंड के भटवलिया स्थित जीपीएस में पदस्थापित नियोजित शिक्षक ललन पंजियार का मंगलवार की रात करीब 10 बजे निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे और उनका इलाज जारी था। उनके आकस्मिक निधन की खबर मिलते ही शिक्षक समुदाय और उनके पैतृक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। शिक्षक ललन पंजियार के निधन पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बृजेश कुशवाहा ने गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उनके निधन से शिक्षा जगत को अपूरणीय क्षति हुई है। शोक व्यक्त करने वालों में बीआरपी मुकेश कुमार, श्रीनिवास प्रसाद अमित, राजकुमार प्रसाद, मो. तुफैल, संतोष सिंह, धनंजय सिंह सहित कई शिक्षक एवं शिक्षा विभाग के कर्मी शामिल रहे। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

80 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ धंधेबाज गिरफ्तार

बीएनएम@ तुरकौलिया। गुप्त सूचना के आधार पर तुरकौलिया पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 80 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ एक धंधेबाज को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई सेमरा पाठक टोला स्थित चिमनी भट्ठा के समीप की। गिरफ्तार आरोपित की पहचान बंजरिया थाना क्षेत्र के झकिया गांव निवासी नवल महतो (50), पिता स्व. यमुना महतो के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, तलाशी के दौरान आरोपित के पास से 80 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की गई। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है तथा उसके विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

पंचायत के वार्ड नं 11 में टीकाकरण का मुखिया ने किया उद्घाटन

बीएनएम@ बगहा : प्रखंड बगहा एक के पतिलार पंचायत में स्वास्थ्य सेवाओं को आम लोगों तक और अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत हुई है। जहां सीओपीडी द्वारा संचालित टीकाकरण केंद्र का उद्घाटन वार्ड संख्या 11 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में मुखिया पायल मिश्रा ने किया। उद्घाटन के अवसर पर, स्वास्थ्यकर्मी, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। इस अवसर पर मुखिया पायल मिश्रा ने कहा कि टीकाकरण बच्चों और आम नागरिकों को गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। सरकार और स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे टीकाकरण अभियान का उद्देश्य समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाओं को पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि वार्ड 11 के आंगनबाड़ी केंद्र में टीकाकरण केंद्र शुरू होने से आसपास के लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। अब ग्रामीणों को टीकाकरण के लिए दूर-दराज के स्वास्थ्य केंद्रों का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। विशेष रूप से छोटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं को इस केंद्र का सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि पंचायत क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा और जनकल्याण से जुड़ी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। आने वाले समय में भी लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। टीकाकरण केंद्र के उद्घाटन को स्थानीय लोगों ने एक सराहनीय पहल बताया। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि इस केंद्र के नियमित संचालन से वार्ड संख्या 11 और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी।

अनुमंडल न्यायालय में विभिन्न मामलों पर हुई सुनवाई

बीएनएम@ शेखपुराः अनुमंडल पदाधिकारी, शेखपुरा के न्यायालय में बुधवार को विभिन्न प्रकार के न्यायालयीय वादों की सुनवाई की गई। इस दौरान भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 126 के तहत 22, धारा 163 के तहत 5 तथा माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण व कल्याण अधिनियम के तहत 23 वादों पर विचार किया गया।वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण से जुड़े मामलों में सुनवाई करते हुए तीन महत्वपूर्ण वादों का अंतिम रूप से निष्पादन किया गया, जिससे दोनों पक्ष पूरी तरह संतुष्ट दिखे। न्यायालय में सभी पक्षों की दलीलों को गंभीरता से सुनकर उपलब्ध तथ्यों के आधार पर त्वरित निर्णय लिए गए। प्रशासनिक स्तर पर इस तरह की नियमित सुनवाई से विवादों के कानूनी समाधान के साथ-साथ बुजुर्गों के अधिकारों का संरक्षण भी सुनिश्चित किया जा रहा है।

जिन शिक्षकों की सेवा दो साल बची है, उनका नहीं होगा तबादलाः शिक्षा मंत्री

फिर दोहराया- ऐच्छिक है शिक्षक स्थानांतरण नीति, किसी शिक्षक पर कोई दबाव नहीं

बीएनएम@ पटना। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा है कि जिन शिक्षकों की सेवा दो वर्ष या उससे कम बची है, उनका स्थानांतरण नहीं किया जाएगा। सरकार ने ऐसे शिक्षकों के हितों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया है। तिवारी ने फिर दोहराया कि राज्य सरकार की शिक्षक स्थानांतरण नीति पूरी तरह ऐच्छिक है। यह किसी भी शिक्षक के लिए अनिवार्य नहीं है। शिक्षक अपनी इच्छा के अनुसार ही स्थानांतरण के लिए आवेदन कर सकते हैं।उन्होंने कहा कि केवल उन्हीं शिक्षकों का स्थानांतरण किया जाएगा, जिन्होंने अपनी इच्छा से स्थानांतरण के लिए आवेदन किया है। किसी भी शिक्षक को तबादले के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता शिक्षकों के हितों का ध्यान रखते हुए पारदर्शी और सुविधाजनक स्थानांतरण व्यवस्था तय करना है। स्थानांतरण प्रक्रिया में शिक्षकों की इच्छा और उनकी सुविधा को विशेष महत्व दिया जा रहा है।

चुलाई शराब बेचने वालों की अब खैर नहीं

उत्पाद पुलिस ने कारोबारी को दबोचा

बीएनएम@ शेखपुरा। जिले में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ उत्पाद विभाग की कार्रवाई लगातार जारी है। ताजा कार्रवाई में उत्पाद पुलिस ने बरबीघा थाना क्षेत्र के रमजानपुर गांव में छापेमारी कर 1.250 लीटर चुलाई शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रमजानपुर निवासी अशोक चौधरी के रूप में की गई है। उत्पाद विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि इलाके में अवैध रूप से चुलाई शराब का कारोबार किया जा रहा है। सूचना मिलते ही उत्पाद पुलिस की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए स्वर्गीय सरयुग चौधरी के घर के आगे बने झोपड़ी में छापेमारी की। इस दौरान 2 लीटर की बोतल में रखी 1.250 लीटर चुलाई शराब बरामद की गई। उत्पाद निरीक्षक सह उत्पाद थानाध्यक्ष अमित आनंद ने बताया कि कार्रवाई एएसआई मिथलेश कुमार, एएसआई सीमा कुमारी समेत अन्य सशस्त्र बलों द्वारा की गई।

टाल में बाढ़ का खतरा गहराया, हरोहर उफान पर

बीएनएम@ शेखपुरा। नेपाल में भारी बारिश के बाद बिहार के कई इलाकों में बढ़ते जलस्तर का असर अब शेखपुरा के टाल क्षेत्र में भी दिखने लगा है। हरोहर नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे आसपास के निचले इलाकों में पानी फैलने लगा है। वहीं गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर का असर टाल क्षेत्र पर पड़ने से ग्रामीणों और किसानों की चिंता बढ़ गई है। नदी के समानांतर क्षेत्रों में पानी भर चुका है और कई खेत जलमग्न होने की स्थिति में पहुंच रहे हैं। किसानों को फसलों के नुकसान का डर सताने लगा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पानी इसी रफ्तार से बढ़ता रहा तो आने वाले दिनों में टाल क्षेत्र के कई गांव बाढ़ की चपेट में आ सकते हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डीएम शेखर आनंद ने बाढ़ प्रभावित एवं संवेदनशील इलाकों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को जलस्तर पर लगातार नजर रखने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक तैयारी रखने का निर्देश दिया है।

रक्सौल शाखा में धूमधाम से मनाया गया एलआईसी का 70वां स्थापना दिवस

देश के आर्थिक व सामाजिक विकास में एलआईसी की भूमिका महत्वपूर्ण : रितेश कुमार

बीएनएम@ रक्सौल

रक्सौल स्थित भारतीय जीवन बीमा निगम की शाखा कार्यालय में सोमवार को एक समारोह आयोजित कर एलआईसी का 70वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वरीय शाखा प्रबंधक रितेश कुमार, सहायक शाखा प्रबंधक अविनाश कुमार, सहायक प्रशासनिक पदाधिकारी आलोक कुमार, विकास अधिकारी रविंद्र कुमार मिश्रा एवं अध्यक्षीय क्लब सदस्य बिपिन कुशवाहा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरीय शाखा प्रबंधक रितेश कुमार ने कहा कि भारतीय जीवन बीमा निगम की स्थापना 1 सितंबर 1956 को हुई थी। प्रत्येक वर्ष 1 से 7 सितंबर तक बीमा सप्ताह मनाया जाता है। इस दौरान पॉलिसीधारकों के पुराने एवं लंबित दावों का त्वरित निष्पादन करने के साथ लोगों को जीवन बीमा के लाभ और वित्तीय सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाता है। बीमा सप्ताह के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में एलआईसी को 57,419 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। देशभर में करीब 15 लाख अभिकर्ता कार्यरत हैं, जबकि करीब 25 करोड़ पॉलिसीधारकों को लगभग 80 हजार अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में एलआईसी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर सहायक प्रशासनिक पदाधिकारी चंद्रदेव प्रसाद, संजीव कुमार, उच्च सहायक प्रभात कुमार, आनंद मोहन, विवेक विशाल, पंकज कुमार, कमलेश कुमार, सहायक सरोज कुमार, हितेश कुमार, निखिल कुमार, लक्ष्मण कुमार, सोनू कुमार, पिंटू कुमार, अभिकर्ता लक्ष्मण प्रसाद वर्णवाल, लोकेश कुमार, राजेश पचौड़ी, कृष्णा कुमार सहित कई अधिकारी, कर्मचारी एवं अभिकर्ता मौजूद रहे।

शराब के खिलाफ नवलपुर पुलिस की कार्रवाई

50 टेट्रा पैक बरामद; तीन गिरफ्तार

बीएनएम@ योगापट्टीः नवलपुर

नवलपुर थाना पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए शराब के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इस दौरान दो मोटरसाइकिल और 50 पीस 8 पीएम अंग्रेजी शराब के टेट्रा पैक बरामद किए।पुलिस के अनुसार, पहली कार्रवाई ढ़ढ़वा गांव के पास की गई। यहां एक मोटरसाइकिल की डिक्की से 40 पीस 8 पीएम अंग्रेजी शराब बरामद की गई। दूसरी कार्रवाई में नवलपुर निवासी बाल किशन चौधरीको एक मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया। उसके पास से 10 पीस 8 पीएम अंग्रेजी शराब बरामद की गई। वहीं, तीसरी कार्रवाई में नौका टोला, पिपरपाती निवासी रामशाही मुखियाको शराब पीने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। नवलपुर थाना अध्यक्ष देवेंद्र कुमार ने बताया कि कुल तीन लोगों की गिरफ्तारी, दो मोटरसाइकिल और 50 पीस 8 पीएम अंग्रेजी शराब के टेट्रा पैक बरामद किए गए।

निजी जमीन पर पंचायत भवन बनाने की कोशिश नाकाम

ग्रामीणों के विरोध से निर्माण कार्य ठप

बीएनएम@ शेखपुरा

हुसैनाबाद में निजी जमीन पर पंचायत सरकार भवन निर्माण कराए जाने के आरोप को लेकर बुधवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। जेसीबी मशीन से निर्माण कार्य शुरू होने की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और विरोध जताते हुए काम को तत्काल रुकवा दिया। ग्रामीणों का स्पष्ट आरोप है कि जिस जमीन पर पंचायत सरकार भवन बनाने की तैयारी की जा रही है, वह निजी स्वामित्व की जमीन है। ग्रामीणों ने कहा कि निजी जमीन की स्वामित्व स्थिति स्पष्ट किए बिना और संबंधित लोगों की सहमति के बगैर सरकारी भवन का निर्माण कराया जाना पूरी तरह अनुचित है। निर्माण कार्य शुरू होने के बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने जेसीबी से चल रहे काम का विरोध किया, जिसके बाद कार्य रोकना पड़ा। इस दौरान ग्रामीणों और निर्माण कार्य से जुड़े लोगों के बीच कुछ देर तक तीखी बहस भी हुई। हालांकि विरोध बढ़ता देख निर्माण कार्य फिलहाल बंद कर दिया गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, जमीन के दस्तावेजों की जांच कर वास्तविक स्थिति सार्वजनिक करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक जमीन की प्रकृति और स्वामित्व को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो जाती, तब तक वहां किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं कराया जाना चाहिए।

लापता किशोरी को 48 घंटे में पुलिस ने किया बरामद

योगापट्टीः शेखपुरा

कसार थाना क्षेत्र से स्कूल जाने के लिए घर से निकली 16 वर्षीय किशोरी के लापता होने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे सकुशल बरामद कर लिया है। मामले में एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में शेखपुरा जेल भेज दिया गया है। बरामद किशोरी झारखंड के धनबाद जिले की रहने वाली बताई जा रही है। वह करीब 20 दिन पूर्व कसार थाना क्षेत्र स्थित अपनी शादीशुदा मौसी के घर आई थी और नदी कछार स्थित छठा हाई स्कूल में पढ़ाई कर रही थी।शनिवार को वह स्कूल जाने के लिए घर से निकली, लेकिन वापस नहीं लौटी। इसके बाद किशोरी के मौसा ने स्थानीय थाना में अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई।एफआईआर दर्ज होते ही पुलिस ने तलाश शुरू कर दी। छापेमारी अभियान का नेतृत्व कसार थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने पुलिस बल के साथ किया। कार्रवाई के दौरान किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया गया।

समाज में अतिथियों के स्वागत की परंपरा प्राचीन: पं. भरत उपाध्याय

बुके नहीं बुक देकर करें सम्मान, परंपरा करें विकसित, होगी सार्थक पहल

बीएनएम@ बगहा

बगहा अनुमंडल के गंडक पार स्थित मधुबनी प्रखंड स्थित पीएम श्री राजकीय कृत हरदेव प्रसाद इंटरमीडिएट कॉलेज के पूर्व प्राचार्य पं. भरत उपाध्याय ने पुस्तकालय सभागार में एक सितम्बर को हिंदी माह का शुभारंभ किया। कहा कि -समाज में अतिथियों के स्वागत की परंपरा प्राचीन है। स्वागत के दौरान पुष्प गुच्छ भेंट करना सामान्य चलन है, लेकिन अक्सर यह पुष्प गुच्छ कुछ ही समय बाद अनूप योगी हो जाते हैं ।ऐसे में यदि पुष्प गुच्छ के स्थान पर प्रेरणादायक पुस्तकें भेंट करने की परंपरा विकसित की जाए, तो यह अधिक सार्थक पहल होगी। पुस्तकें व्यक्ति के ज्ञानवर्धन के साथ उसके व्यक्तित्व का भी विकास करती हैं। अतिथि स्वयं पुस्तक पढ़ने के साथ परिवार के अन्य सदस्यों को भी पढ़ने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इसी तरह जन्मदिन, विवाह और अन्य शुभ अवसरों पर महंगे उपहार की जगह प्रेरक एवं ज्ञानवर्धक पुस्तक भेंट करने की परंपरा को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। पूर्व प्राचार्य ने पुस्तकालय की व्यवस्था से प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सामान्य ज्ञान, इतिहास ,भूगोल, विज्ञान, संविधान, साहित्य और रोजगार परक पुस्तकों के साथ महत्वपूर्ण समाचार पत्र- पत्रिकाएं और अन्य ज्ञानवर्धक पुस्तकों की उपलब्धता प्रशंसा की बात है। इस अवसर पर आचार्य नीरज शांडिल्य ने कहा कि ज्ञान हमें दिशा देता है और ठहराव सीखाता है, लेकिन जिज्ञासा हमें आगे चलने की प्रेरणा देती है। इस अवसर पर सर्वश्री शंभू दयाल सिंह, हरेंद्र किशोर सिंह, आचार्य नीरज कुमार त्रिपाठी, निसार उल हक अंसारी, राजेश रमण कुमार सिंह, विपिन कुमार तिवारी, सुधीर कुमार चतुर्वेदी, प्रशांत सागर,अख्तर हुसैन,शाकिर अंसारी, अमरेंद्र कुमार, सनी यादव, लाल मोहम्मद एवं विपिन कुमार आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आईसीडीएस की समीक्षा बैठक

» योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

बीएनएम@ समस्तीपुर

समाहरणालय सभागार में बुधवार को जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा की अध्यक्षता में समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में आईसीडीएस के माध्यम से संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की प्रखंडवार समीक्षा की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त सूर्य प्रताप सिंह, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी, आईसीडीएस सुनीता कुमारी सहित विभाग के अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी केंद्रों के नियमित संचालन, बच्चों की उपस्थिति, पूर्व प्राथमिक शिक्षा, पोषण संबंधी गतिविधियों तथा गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से योजनाओं की प्रखंडवार प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों एवं महिलाओं के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा से जुड़ी सेवाओं को प्रभावी ढंग से लागू करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। सभी अधिकारी एवं कर्मी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और पात्र लाभुकों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाना सुनिश्चित करें। बैठक में पोषण ट्रैकर पर लाभुकों से संबंधित आंकड़ों की प्रविष्टि और उसके अद्यतन की स्थिति की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी आवश्यक आंकड़ों की शत-प्रतिशत एवं गुणवत्तापूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने तथा लंबित कार्यों का निर्धारित समय-सीमा में निष्पादन करने का निर्देश दिया। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों के नियमित निरीक्षण और अनुश्रवण पर विशेष जोर देते हुए बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों को क्षेत्र भ्रमण कर केंद्रों की वास्तविक स्थिति का जायजा लेने को कहा। निरीक्षण के दौरान केंद्रों पर भवन, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई और बच्चों के लिए उपलब्ध आवश्यक सुविधाओं की भी जांच करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण करने तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की कमी या लापरवाही पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि आईसीडीएस की योजनाओं का उद्देश्य बच्चों एवं महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा जैसी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराना है। ऐसे में योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। अंत में जिलाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने, योजनाओं की नियमित समीक्षा एवं अनुश्रवण करने तथा लंबित कार्यों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

जाँच एवं उपचार—चिकित्सा आपके द्वार' अभियान का शुभारंभ

घर-घर होगी गंभीर बीमारियों की जांच

बीएनएम@ शेखपुरा

जिले में गैर-संचारी रोगों की समय पर पहचान और उपचार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को 'जाँच एवं उपचार—चिकित्सा आपके द्वार' अभियान का शुभारंभ किया गया। राज्यस्तरीय कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया। यह अभियान 2 सितंबर से 30 नवंबर 2026 तक पूरे बिहार में संचालित किया जाएगा।स्वास्थ्य विभाग की टीमें समुदाय स्तर तक पहुंचकर लोगों की विभिन्न गंभीर बीमारियों की जांच करेंगी और आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श देंगी। लोगों को नियमित स्वास्थ्य जांच और समय पर उपचार के प्रति जागरूक भी किया जाएगा।शेखपुरा में आयोजित कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, सिविल सर्जन डॉ. नौशाद आलम, जिला गैर-संचारी रोग पदाधिकारी दयाशंकर निधि, जिला कार्यक्रम प्रबंधक साकिर खान सहित कई अधिकारी, स्वास्थ्य कर्मी, सहयोगी संस्था के प्रतिनिधि और जीएनएम कॉलेज की छात्राएं उपस्थित रहीं।अधिकारियों ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को जरूरतमंदों के करीब पहुंचाना है, ताकि बीमारियों की प्रारंभिक अवस्था में ही पहचान कर समय पर इलाज शुरू किया जा सके। प्रशासन ने जिलेवासियों से इस स्वास्थ्य जांच अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है।

बगहा एक की तीन पंचायतों में दूसरे चरण का सहयोग शिविर लगा

बीएनएम@ बगहा

प्रखंड बगहा एक के तीन पंचायतों में लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सभी विभागों के अलग-अलग टेबल लगाए गए , जहां संबंधित विभाग के अधिकारी और कर्मी मौजूद रहकर लोगों की शिकायतें सुनी । ग्रामीण अपनी समस्याओं से जुड़े आवेदन जमा किया । प्रशासन की ओर से प्राप्त आवेदनों का जल्द समाधान करने का निर्देश दिया गया । प्रखंड विकास पदाधिकारी बगहा एक प्रदीप कुमार ने प्रखंड के तीनों पंचायतों में आयोजित दुसरे चरण के सहयोग शिविर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों और कर्मियों को ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनने और समय पर निवारण करने का निर्देश दिया। साथ ही किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की चेतावनी भी दी। प्रखंड बगहा एक के परसा - बनचहरी, महिपुर भतौडा, बड़गांव पंचायत में सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण, आवास योजना, मनरेगा, खाद्य आपूर्ति, विधुत, शिक्षा समेत विभिन्न प्रकार की विभागीय स्तर से टेबल लगा कर लोगों की समस्या सुनी गई, तथा त्वरित समाधान का प्रयास किया गया। बीडीओ ने बताया कि लोगों की समस्याओं के प्रभावी निराकरण के लिए राज्य सरकार की पहल है। परसा बनचहरी पंचायत के मुखिया मंजू देवी मुखिया प्रतिनिधि संजय प्रसाद, महिपुर भतौडा पंचायत के मुखिया दुर्गेश ठाकुर और बड़गांव पंचायत के मुखिया मौजूद रहे।

सहयोग शिविर में कई समस्याओं का हुआ समाधान

बीएनएम@ योगापट्टीः नवलपुर

थाना क्षेत्र के सिसवाबैरागी पंचायत स्थित पंचायत भवन सह सामुदायिक भवन, निमुइया में मंगलवार की देर शाम को सहयोग शिविर सह साइबर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पंचायत क्षेत्र के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। अलग-अलग सरकारी विभागों से संबंधित शिकायतों को सुनकर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों ने कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया। शिविर में पेंशन, राशन कार्ड, राजस्व एवं भूमि सुधार, पीएचईडी, आजीविका मिशन, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभागों से जुड़ी समस्याएं ग्रामीणों ने अधिकारियों के समक्ष रखीं। ग्रामीणों ने बताया कि छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए उन्हें प्रखंड एवं अंचल कार्यालयों का चक्कर लगाना पड़ता है। पंचायत स्तर पर शिविर लगने से उन्हें काफी सुविधा मिली। अधिकारियों एवं विभागीय कर्मियों ने ग्रामीणों की शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित मामलों में आवश्यक कार्रवाई की। साइबर ठगी से बचाव की दी जानकारीशिविर के दौरान ग्रामीणों को साइबर अपराध एवंऑनलाइन ठगी से बचाव के प्रति भी जागरूक किया गया। अधिकारियों ने लोगों से अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने, किसी के साथ बैंक खाता, एटीएम कार्ड, ओटीपी, पासवर्ड एवं अन्य गोपनीय जानकारी साझा नहीं करने की अपील की।ग्रामीणों को बताया गया कि साइबर ठगी होने की स्थिति में बिना देर किए 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं। शिविर में अंचलाधिकारी विक्रम सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी शशिभूषण कुमार, नवलपुर थानाध्यक्ष देवेंद्र कुमार, एएसआई रोहित कुमार सिंह, मुखिया केदार राम, पंचायत सचिव मोहन कुमार सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, कर्मी, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

विरोधी खेमों पर अब कोई असर नहीं

हकीकत से कटे नैरेटिव्स का अपना जीवनकाल होता है। जब उनका सामना विपरीत होते जमीनी हालात से होता है, तो उनमें दरारें पडऩे लगती हैं। ज़ेन-ज़ी का तेवर उन्हीं हालात का नतीजा है। भारत का राजनीतिक विमर्श काफी पहले शालीनता की हदें तोड़ चुका है, इसलिए इसमें नए अपशब्दों के जुडऩे पर शायद ही किसी को एतराज होता है। तीखे ध्रुवीकरण की मौजूदा सूरत में किसी नेता की टिप्पणियों को गरिमा-विहीन या मर्यादा के खिलाफ बता कर उसे घेरने की रणनीति का विरोधी खेमों पर अब कोई असर नहीं होता। कई वर्षों तक इस नई स्थिति का लाभ भाजपा ने उठाया। भाजपा नेताओं को लेकर कुछ हलकों से तब भी ऐसे शब्द बोले जाते थे, लेकिन तब कथानक पर भाजपा इकॉ-सिस्टम का इतना दबदबा था, वे शब्द बोलने वाले को ही भारी पड़ जाते थे। लेकिन यह बदले माहौल का ही संकेत है कि ऐसे लफ्ज़ अब जनमत के एक बड़े हिस्से में नया राजनीतिक कथानक गढऩे का काम करने लगे हैं। भाजपा काफी समय तक विपक्षी नेताओं को प्रहसन-पात्र के रूप में पेश सियासी फायदे उठाती रही, मगर अब सोशल मीडिया- खासकर रील्स के इस्तेमाल से वैसी ही छवि उनके शीर्ष नेताओं को पेश की जा रही है, जिसे एक बड़ा श्रोता वर्ग मिल रहा है। बेशक, यह स्थिति लाने में ज़ेन-ज़ी के आंदोलनों ने बड़ी भूमिका निभाई है। भाजपा के सामने सवाल खड़ा है कि कहानी ऐसे क्यों पलटने लगी है? वे आत्म-मंथन करें, तो शायद उन्हें आभास होगा कि यथार्थ से कटे कथानकों का अपना जीवनकाल होता है। जब उनका सामना विपरीत होते जमीनी हालात से होता है, तो उनमें दरारें पडऩे लगती हैं। ज़ेन-ज़ी का तेवर उन्हीं हालात का नतीजा है। हिंदुत्व की पहचान के साथ 'विश्व गुरु की हैसियत दिलाने के वादों से वह छली गई महसूस कर रही है, तो उसकी वजहें हैं। ये पीढ़ी 'मेक इन इंडिया, 'नया भारत, 'देश बदल रहा है, 'अमृत काल, 'विकसित भारत जैसे नारों को सुनते हुए जब बड़ी हुई, तो उसने पाया कि असल में उसके पास आगे बढऩे के पहले जितने अवसर भी उपलब्ध नहीं हैं। तो वह हिसाब मांग रही है। इसका जवाब 'सप्तधारा जैसे नए नैटेरिव गढ़ कर नहीं दिया जा सकता। ना ही 'दिमागी नक्सलियों को अलग-थलग करने जैसे एलान नई परिस्थितियों में अपेक्षित भय पैदा कर सकेंगे।

पुस्तके ज्ञानियो की समाधि है

कांतिलाल मांडोत

-पुस्तकें केवल ज्ञान का भंडार नहीं, जीवन को दिशा देने वाली शक्ति है।

अच्छी पुस्तक मनुष्य की मौन गुरु बनकर सोच, संस्कार और जीवन-दृष्टि को बदल देती है

मनुष्य के जीवन में भोजन और जल जितने आवश्यक हैं, ज्ञान और विचार भी उतने ही आवश्यक हैं। भोजन शरीर का पोषण करता है, जबकि ज्ञान मन और बुद्धि का विकास करता है। ज्ञान प्राप्त करने के अनेक साधन हैं, लेकिन पुस्तकों का स्थान सबसे विशिष्ट है। प्रस्तुत पुस्तक इसी मूल विचार को केंद्र में रखकर पुस्तक, स्वाध्याय, ज्ञानार्जन और जीवन-विकास के बीच के गहरे संबंध को सामने लाती है। इसका सबसे बड़ा गुण यह है कि यह पुस्तक को केवल कागज पर छपे शब्दों का संग्रह नहीं मानती, बल्कि उसे मनुष्य के व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त माध्यम मानती है। पुस्तक का मूल संदेश अत्यंत स्पष्ट है कि पुस्तक स्वयं ज्ञान नहीं होती, लेकिन ज्ञान तक पहुंचने का अत्यंत प्रभावशाली माध्यम होती है। निर्जीव कागज पर अंकित शब्द तभी जीवंत होते हैं, जब पाठक उन्हें पढ़कर अपने चिंतन और व्यवहार का हिस्सा बनाता है। यही कारण है कि पुस्तक को लेखक और विचारक की आत्मा का निवास-स्थान कहा गया है। किसी श्रेष्ठ ग्रंथ को खोलते ही उसके रचयिता के विचार हमारे सामने संवाद करने लगते हैं। इस दृष्टि से पुस्तक एक मौन गुरु है, जो बिना किसी आग्रह के हमें सिखाती है और बिना किसी अपेक्षा के हमारा मार्गदर्शन करती है। पुस्तक की शक्ति को समझने का सार्थक प्रयास पुस्तक का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि इसमें पुस्तकों के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभावों को स्वीकार किया गया है। हर पुस्तक उपयोगी नहीं होती और हर पुस्तक पाठक को सही दिशा नहीं देती। श्रेष्ठ साहित्य मनुष्य को सद्मार्ग की ओर ले जा सकता है, जबकि घटिया अथवा भ्रामक साहित्य उसकी सोच को प्रभावित कर सकता है। इसीलिए पुस्तक का चयन भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना उसका अध्ययन। हमने पुस्तकों की तुलना अमृत और विष दोनों से करके इस सत्य को प्रभावी ढंग से आपके सामने रखा है। पुस्तक मशाल की तरह प्रकाश भी दे सकती है और गलत विचारों के हाथ में पड़कर आग भी लगा सकती है।

यह दृष्टिकोण पुस्तक-संस्कृति के प्रति संतुलित चेतना पैदा करता है। केवल अधिक पुस्तकें पढ़ लेना पर्याप्त नहीं है; महत्वपूर्ण यह है कि हम क्या पढ़ रहे हैं, उससे क्या ग्रहण कर रहे हैं और वह हमारे व्यक्तित्व को किस दिशा में ले जा रहा है। श्रेष्ठ पुस्तकें मनुष्य को अपने समय से आगे देखने की क्षमता देती हैं। रामायण, महाभारत, गीता, धम्मपद, पंचतंत्र, चाणक्य नीति और विभिन्न धर्मों के शास्त्रों का उदाहरण देते हुए पुस्तक यह समझाती है कि काल बदलता रहता है, पीढ़ियां बदलती रहती हैं, लेकिन महान विचार जीवित रहते हैं। यही किसी पुस्तक की वास्तविक दीर्घायु है। इस पुस्तक का अत्यंत प्रभावशाली विचार यह है कि पुस्तकें ज्ञानियों की समाधि हैं। उनके पन्नों में महापुरुषों का चिंतन सुरक्षित रहता है। किसी ग्रंथ में तीर्थंकरों की वाणी मिलती है तो किसी में राम, कृष्ण और बुद्ध के जीवन-दर्शन की झलक दिखाई देती है। कहीं वाल्मीकि, तुलसीदास, कबीर और सूरदास जैसे रचनाकार बोलते हैं तो कहीं दूसरे महान चिंतकों की आवाज सुनाई देती है।

इस अर्थ में पुस्तक केवल अतीत का दस्तावेज नहीं, बल्कि अतीत और वर्तमान के बीच जीवंत सेतु है। मनुष्य नश्वर है, उसका शरीर समाप्त हो जाता है, लेकिन उसके श्रेष्ठ विचार पुस्तक के माध्यम से पीढ़ियों तक पहुंचते हैं। यही कारण है कि किसी लेखक की पुस्तक उसके लिए अमर कीर्ति-स्तंभ का कार्य करती है। विचारों के संघर्ष में पुस्तक को अस्त्र मानने का विचार भी उल्लेखनीय है। समाज में परिवर्तन पहले विचारों से आता है और विचारों को व्यापक समाज तक पहुंचाने का सबसे प्रभावी माध्यम पुस्तक रही है।

शिक्षा, सामाजिक सुधार, धार्मिक चेतना और राजनीतिक जागरण के अनेक आंदोलनों के पीछे पुस्तकों की निर्णायक भूमिका रही है। पुस्तक का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं है। अच्छी पुस्तक मनुष्य को जीवन जीने की कला सिखाती है। रोटी जीवन देती है, लेकिन पुस्तक जीवन को सार्थक ढंग से जीने की समझ देती है—यह भाव इस पूरे आलेख का केंद्रीय निष्कर्ष कहा जा सकता है। आज सूचना के साधन तेजी से बढ़े हैं। मोबाइल, इंटरनेट और डिजिटल माध्यमों ने जानकारी को बेहद सुलभ बना दिया है। इसके बावजूद पुस्तक की आवश्यकता समाप्त नहीं हुई है। सूचना और ज्ञान में अंतर है। सूचना हमें किसी विषय के बारे में बताती है, जबकि गहन अध्ययन उस सूचना को समझने, परखने और जीवन से जोड़ने की क्षमता विकसित करता है। पुस्तक इसी गहराई की ओर ले जाती है।

स्वाध्याय इसलिए केवल पढ़ने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि स्वयं को पढ़ने की प्रक्रिया भी है। जब मनुष्य श्रेष्ठ साहित्य पढ़ता है तो वह अपने विचारों, पूर्वाग्रहों, कमजोरियों और जीवन-मूल्यों पर भी विचार करने लगता है। इस दृष्टि से पुस्तक व्यक्ति के भीतर आत्ममंथन की प्रक्रिया आरंभ करती है। पुस्तक के जन्म की यात्रा भी ज्ञान-संरक्षण की कहानी है।

पुस्तक की समीक्षा का एक रोचक पक्ष उसका ऐतिहासिक विवेचन है। प्राचीन काल में ज्ञान मौखिक परंपरा के माध्यम से पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ता था। श्रवण और स्मरण ज्ञान-संरक्षण के प्रमुख साधन थे। बाद में जब यह अनुभव हुआ कि मानवीय स्मृति की भी सीमाएं हैं, तब ज्ञान को लिखित रूप में सुरक्षित करने की आवश्यकता महसूस हुई। ताड़पत्र, भोजपत्र, वस्त्र, चमड़ा और बाद में कागज—इन सभी माध्यमों से ज्ञान को स्थायी रूप देने का प्रयास हुआ। आज जब एक बटन दबाते ही पुस्तक की हजारों प्रतियां तैयार हो सकती हैं, तब यह कल्पना करना कठिन है कि कभी एक पुस्तक की एक प्रति तैयार करना भी वर्षों की साधना हुआ करता था। पुस्तक में वर्णित आचार्य हरिभद्र सूरि, कुमारपाल तथा वस्तुपाल-तेजपाल जैसे ज्ञानाराधकों के प्रसंग इस बात को प्रमाणित करते हैं कि पुस्तक निर्माण केवल लेखन का कार्य नहीं था। इसके पीछे तप, श्रम, संसाधन और ज्ञान के प्रति गहरी श्रद्धा जुड़ी हुई थी। इन प्रसंगों का महत्व केवल ऐतिहासिक नहीं है। वे आज के पाठक को यह प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करते हैं कि जब पूर्वजों ने ज्ञान के संरक्षण के लिए इतना त्याग किया, तो आधुनिक समाज ज्ञान के प्रति अपनी जिम्मेदारी कितनी गंभीरता से निभा रहा है।

ज्ञान की आराधना और पुस्तक-संस्कृति पुस्तक का धार्मिक और सांस्कृतिक पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। ज्ञान की आराधना को केवल पूजा-पद्धति तक सीमित न रखकर स्वाध्याय, ज्ञानियों का सम्मान, ज्ञान-साधनों की प्रभावना और पुस्तक लेखन-प्रकाशन-वितरण से जोड़ा गया है। यह विचार पुस्तक को धार्मिक वस्तु से आगे बढ़ाकर सामाजिक उत्तरदायित्व का विषय बनाता है। पुस्तकालयों की भूमिका भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण हो जाती है। पुस्तक अकेली हो तो वह एक व्यक्ति तक सीमित रह सकती है, लेकिन पुस्तकालय उसे समाज की सामूहिक संपत्ति बना देता है। पुस्तकालय ज्ञान को व्यक्ति से समाज तक पहुंचाने वाली संस्था है। जिस समाज में अच्छे पुस्तकालय और पढ़ने की संस्कृति मजबूत होती है, वहां विचारों की विविधता और बौद्धिक चेतना भी मजबूत होती है।

डिजिटल युग में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जब लगभग हर जानकारी मोबाइल स्क्रीन पर उपलब्ध है तो पुस्तक की आवश्यकता क्यों बनी रहे? इसका उत्तर इसी पुस्तक की विचार-यात्रा में मिलता है। स्क्रीन हमें तेजी से जानकारी दे सकती है, लेकिन पुस्तक हमें ठहरकर सोचने की आदत देती है। डिजिटल माध्यम अक्सर त्वरित प्रतिक्रिया को बढ़ावा देते हैं, जबकि गंभीर पुस्तक मनुष्य को विचार की गहराई तक ले जाती है। आज की सबसे बड़ी आवश्यकता अधिक पढ़ने की नहीं, बल्कि सही पढ़ने की है। बच्चों और युवाओं में पुस्तक पढ़ने की आदत विकसित करना केवल शैक्षणिक उपलब्धि का विषय नहीं, बल्कि उनके व्यक्तित्व निर्माण का प्रश्न है। अच्छी पुस्तक कल्पनाशक्ति बढ़ाती है, भाषा को समृद्ध करती है, तर्कशक्ति विकसित करती है और दूसरे मनुष्यों के अनुभवों को समझने की क्षमता पैदा करती है।

समग्र रूप से देखा जाए तो यह पुस्तक पुस्तक-प्रेम का साधारण गुणगान नहीं करती, बल्कि पुस्तक और मनुष्य के संबंध का दार्शनिक, ऐतिहासिक और व्यावहारिक विवेचन प्रस्तुत करती है। इसमें पुस्तक के जन्म से लेकर उसके विकास, संरक्षण और सामाजिक उपयोगिता तक की यात्रा दिखाई गई है। ऐतिहासिक प्रसंगों और महापुरुषों के उदाहरणों के माध्यम से यह समझाने का प्रयास किया गया है कि ज्ञान को सुरक्षित रखना अपने आप में एक महान सामाजिक कार्य है।

पुस्तक की सबसे बड़ी उपलब्धि उसका यह संदेश है कि अच्छी पुस्तक पढ़ना अपने भीतर एक बेहतर मनुष्य के निर्माण की शुरुआत करना है। पुस्तकें हमें केवल यह नहीं बतातीं कि दुनिया कैसी है, वे यह भी सिखाती हैं कि दुनिया को देखने की हमारी दृष्टि कैसी होनी चाहिए। वे अतीत से संवाद कराती हैं, वर्तमान को समझने की क्षमता देती हैं और भविष्य के लिए विचार तैयार करती हैं। अंततः पुस्तक का वास्तविक मूल्य उसके पन्नों, जिल्द या कीमत में नहीं, बल्कि उस परिवर्तन में है जो वह पाठक के भीतर पैदा करती है। अच्छी पुस्तक पढ़कर यदि विचार परिष्कृत हों, व्यवहार में संयम आए, विवेक जागे और जीवन को बेहतर दिशा मिले, तभी पुस्तक का उद्देश्य पूरा होता है। इसलिए पुस्तक केवल ज्ञान का भंडार नहीं है; वह मनुष्य के जीवन की मौन सहयात्री, चिंतन की मार्गदर्शक और व्यक्तित्व-विकास की आधारशिला है। यही इस कृति का सबसे सार्थक और स्थायी संदेश है।

(L 103 जलवन्त टाउनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड, नियर नन्दालय हवेली सूरत मो 99749 40324 वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

'एक देश, एक चुनाव की चर्चा तेज

अजीत द्विवेदी

अचानक 'एक देश, एक चुनावÓ की चर्चा तेज हो गई है। संसद की संयुक्त समिति यानी जेपीसी के अध्यक्ष पीपी चौधरी अचानक सक्रिय हो गए हैं और कहा जाने लगा है कि 2029 में ही पूरे देश के चुनाव एक साथ हो सकते हैं। मीडिया में इस पर बहसें होने लगी हैं। अचानक आई इस तेजी से दो सवाल उठते हैं। पहला तो यह कि सरकार अभी तक परिसीमन और महिला आरक्षण के प्रयास में लगी है तो फिर 'एक देश, एक चुनावÓ की चर्चा क्यों शुरू हुई और दूसरा सवाल यह कि अगर महिला आरक्षण कानून को सरकार संशोधित नहीं करा पा रही है तो पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने के लिए लाए गए संविधान के 129वें संशोधन विधेयक को कैसे पास कराएगी? ध्यान रहे जिस तरह नारी शक्ति वंदन कानून में बदलाव के लिए लाए गए 131वें संशोधन विधेयक को पास कराने के लिए दोनों सदनों में दो तिहाई बहुमत की जरुरत है वैसे ही 129वें संशोधन के लिए भी दो तिहाई बहुमत चाहिए, जो सरकार के पास नहीं है।

अगर सरकार 129वें संशोधन को पास नहीं करा पाती है तो 2029 में 'एक देश, एक चुनावÓ संभव नहीं है। इसके बावजूद अगर भाजपा चाहे तो बहुत से राज्यों के चुनाव लोकसभा के साथ करा सकती है। इसके लिए उसे अपने शासन वाले राज्यों की सरकारों से संबंधित राज्य की विधानसभा को समय से पहले भंग कराना होगा। अगर भाजपा ऐसा करती है तो कांग्रेस या दूसरी पार्टियों के शासन वाले राज्यों पर भी दबाव बनेगा कि वे इस अभियान में शामिल हों। इसके लिए भाजपा को अगले साल होने वाले चुनावों से ही तैयारी शुरू करानी होगी। हालांकि यह तय माना जा रहा है कि विपक्षी पार्टियां एक साथ चुनाव के लिए तैयार नहीं होंगी। कांग्रेस के पी चिदंबरम ने केंद्र सरकार के इस प्रयास को असंवैधानिक बताया है तो जेपीसी में शामिल तृणमूल कांग्रेस की सागरिका घोष ने भी इसका विरोध किया है। दोनों ने समिति के सामने अपनी पार्टी की राय स्पष्ट रूप से रख दी है।

इसलिए केंद्र सरकार और भाजपा के पास यह रास्ता बचता है कि वह अपने शासन वाले राज्यों की विधानसभा समय से पहले भंग कराए और एक साथ चुनाव करा कर एक मिसाल बनाए। वैसे लोकसभा के साथ चार राज्यों के चुनाव स्वतः होते हैं। आंध्र प्रदेश, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के चुनाव लोकसभा के साथ में होते हैं। इनके अलावा तीन अन्य राज्यों के चुनाव उसी साल के अंत में होते हैं। इनमें से दो राज्यों महाराष्ट्र और हरियाणा में भाजपा की सरकार है, जबकि झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार है। चुनाव आयोग चाहे तो इन तीनों राज्यों का चुनाव मई में लोकसभा के साथ करा सकता है। इस तरह लोकसभा और सात राज्यों में एक साथ चुनाव कराए जा सकते हैं। अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने के आइडिया को लेकर गंभीर हुए, अभी तक वह गंभीरता नहीं दिखी है, तो 2030 और 2031 में जिन भाजपा शासित राज्यों में चुनाव होने हैं, वहां की विधानसभा भंग करा सकते हैं। 2030 में दो राज्यों दिल्ली और बिहार का चुनाव है, जहां भाजपा की सरकार है। 2031 में पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी के चुनाव होंगे। इनमें से तीन राज्यों में भाजपा की सरकार है। अगर भाजपा चाहे तो तीनों राज्यों में समय से पहले चुनाव करा सकती है। अगर 2030 और 2031 के पांच राज्यों के चुनाव समय से पहले होते हैं तो लोकसभा के साथ 12 राज्यों के चुनाव हो सकते हैं। अगले साल यानी 2027 में सात राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें पंजाब और हिमाचल छोड़ कर बाकी पांच राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर और गुजरात में भाजपा की सरकार है। उसके अगले साल यानी 2028 में पांच बड़े राज्यों के चुनाव हैं, जिनमें कर्नाटक और तेलंगाना में कांग्रेस सत्ता में है, जबकि मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार है। इनके अलावा पूर्वोत्तर के चार राज्यों मेघालय, त्रिपुरा, नगालैंड और मिजोरम के चुनाव भी 2028 में हैं। 2027 के चुनावों को तो 2029 तक स्थगित नहीं किया जा सकता है। लेकिन क्या 2028 के चुनावों के 2029 के लिए स्थगित किया जा सकता है? विधानसभाओं का कार्यकाल बढ़ाने के लिए कानून बनाने की जरुरत होगी, जो संभव नहीं दिख रहा है। दूसरा रास्ता राष्ट्रपति शासन लगाने का है। लेकिन यह काम विपक्षी पार्टियों की सहमति के बगैर संभव नहीं है। कांग्रेस इस बात के लिए तैयार नहीं होगी कि कम से कम उसके शासन वाले राज्यों में राष्ट्रपति शासन में चुनाव हो। भाजपा शासित राज्यों में भी राष्ट्रपति शासन लगा कर चुनाव टालना एक संवैधानिक मामला बनेगा, जिसे अदालत में चुनौती दी जा सकती है। लेकिन अगर राजनीतिक सहमति बने तो 2028 के नौ चुनाव भी 2029 में कराए जा सकते हैं। इस तरह लोकसभा और कम से कम 21 राज्यों के चुनाव एक साथ हो जाएंगे।

परंतु यह पूरा हिसाब किताब दूर की कौड़ी लग रहा है। संसद से कानून बनाए बगैर और संविधान के प्रावधानों को बदले बगैर 'एक देश, एक चुनावÓ मुमकिन नहीं दिख रहा है। अगर सरकार दो तिहाई बहुमत जुटा लेती है या विपक्ष को तैयार कर लेती है तभी कानून पास होगा और तब 2028 के चुनाव टाल कर और 2032 तक के चुनाव पहले करा कर 2029 में एक साथ सारे चुनाव कराए जा सकते हैं। अन्यथा इसे 2034 के लिए छोडऩा पड़ेगा। हालांकि इस पूरी कवायद का कोई खास अर्थ नहीं है और न इसकी कोई जरुरत है। न तो एक साथ चुनाव कराने से कोई बहुत ज्यादा पैसे की बचत होनी है और न बार बार चुनाव होने से कोई कामकाज प्रभावित होता है। पैसे की बचत और कामकाज प्रभावित होने का तर्क पूरी तरह से बेकार है। उलटे हर साल कहीं न कहीं चुनाव होने से सरकारें जवाबदेह बनती हैं। अमेरिका में हर साल चुनाव होते हैं और इस वजह से सरकारें जनता के प्रति ज्यादा जवाबदेह रहती हैं।

न्याय का उद्देश्य ही विफल : 21 साल का इंतजार और लाखों प्रभावित मतदाता

अजीत द्विवेदी

पश्चिम बंगाल का विधानसभा चुनाव न तो रद्द होगा और न इसे दोबारा कराने के बारे में कोई सोचेगा। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से जो पूछा वह अपने आप में बड़ी बात है। सर्वोच्च अदालत ने चुनाव आयोग से पूछा कि 'क्या वह बंगाल में नए सिरे से चुनाव कराने का आदेश दे सकता हैÓ? चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के दौरान लाखों लोगों के नाम काटे जाने के मामले में सुनवाई करते हुए यह सवाल पूछा और उसके बाद अदालत ने विधानसभा सीटों की हार जीत के अंतर सहित दूसरी कई चीजों का ब्योरा दाखिल करने को कहा है। सुनवाई के दौरान तृणमूल कांग्रेस के वकील ने 31 सीटों का ब्योरा दिया और कहा कि उन सीटों पर भाजपा की जीत का अंतर एसआईआर में कटे वोट से ज्यादा है। मिसाल के तौर पर विधानसभा क्षेत्र संख्या 145 यानी दक्षिण 24 परगना की सतगछिया सीट पर भाजपा सिर्फ 401 वोट से जीती, जबकि वहां 8,785 वोट कटे थे।

बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट में चल रहे मामले का अंत नतीजा क्या निकलेगा यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। चुनाव तो दोबारा नहीं होंगे। लेकिन यह बहुत गंभीर मामला है। पहली नजर में ऐसा लग रहा है कि एसआईआर के दौरान मनमाने तरीके से नाम काटने का चुनाव नतीजों पर असर हुआ है। इसका कारण सिर्फ यह नहीं है कि भाजपा की जीती 31 सीटें ऐसी हैं, जहां जीत का अंतर एसआईआर में कटे वोट से कम है। ऐसी बहुत सी सीटें तृणमूल कांग्रेस ने भी जीती हैं। इसलिए एसआईआर के असर का आकलन करने का यह एकमात्र आधार नहीं हो सकता है। इसके दूसरे कई आधार हैं, जो सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के दौरान सामने आ रहे आंकड़ों में दिख रहे हैं।

असल में सुप्रीम कोर्ट में इस मसले पर सुनवाई के दौरान कुछ बहुत दिलचस्प आंकड़े सामने आए। इसमें सबसे दिलचस्प आंकड़ा तार्किक विसंगति के आधार पर नाम काटने का है। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में एसआईआऱ के दौरान एक तार्किक विसंगति की श्रेणी बनाई थी, जिसके तहत 27 लाख से ज्यादा लोगों के नाम काटे गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने बाद में इन सब लोगों की सुनवाई के लिए न्यायाधिकरण बनाने का आदेश दिया था और उस आदेश पर 19 न्यायाधिकरण बनाए गए थे। तार्किक विसंगति वाले 27 लाख लोगों के अलावा 11 लाख अन्य लोगों ने भी बाद में इन न्यायाधिकरणों के सामने अपील दायर की और नाम काटे जाने के फैसले का विरोध किया।

सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार, 25 अगस्त को हुई सुनवाई में पता चला कि अभी तक सिर्फ 83 हजार नामों की सुनवाई न्यायाधिकऱणों में हुई है। इसकी रफ्तार तो निराश करने वाली है लेकिन नतीजे हैरान करने वाले हैं। जिन 83 हजार लोगों के दस्तावेज जांचे गए और आपत्ति सुनी गई उनमें से 75,443 लोगों की आपत्ति सही पाई गई और न्यायाधिकरणों ने उनका नाम मतदाता सूची में शामिल करने का आदेश दिया। सोचें, यह कितनी बड़ी बात है! अपील करने वाले लगभग 90 फीसदी लोगों की आपत्ति जायज है। इसका हिसाब लगाएं तो लगभग 34 लाख लोगों के नाम बिना किसी आधार के काट कर उनको मताधिकार से वंचित कर दिया गया। यह ध्यान रखने की बात है कि चुनाव जीतने वाली भाजपा और हारने वाली तृणमूल कांग्रेस के बीच 31 लाख वोट का अंतर है।

मतदाता सूची का पुनरीक्षण कोई नई बात नहीं है और न कोई गैरजरूरी एक्सरसाइज है। ऐसा होना चाहिए और निश्चित रूप से 'एब्सेंट, शिफ्टेड, डेड और डुप्लीकेटÓ इन चार श्रेणियों के लोगों के नाम कटने चाहिए। सभी राज्यों में इन चार आधारों पर नाम कट रहे हैं और उसमें जिसको आपत्ति होती है वह अपनी आपत्ति दर्ज कराता है, दस्तावेज पेश करता है और सुधार कराता है। लेकिन चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में तार्किक विसंगति की एक अलग श्रेणी बना दी और उसमें 27 लाख से ज्यादा नाम काट दिए। हकीकत यह है कि नाम काटने के लिए जो तार्किक विसंगतियां बताई गई हैं वो बेहद अतार्किक हैं तभी जिनके नाम कटे हैं वे दस्तावेज लेकर न्यायाधिकरण के सामने पेश हो रहे हैं और अपना नाम मतदाता सूची में वापस दर्ज करा रहे हैं। इससे यह सवाल उठता है कि क्या चुनाव आयोग इस बात को जानता था कि तार्किक विसंगति के कारण जिनका नाम काट रहे हैं वे जेनुइन मतदाता हैं और दस्तावेज दिखा कर वापस नाम शामिल करा सकते हैं? अगर यह बात साबित होती है तो इसका अर्थ होगा कि चुनाव आयोग ने नतीजों को प्रभावित करने के लिए जान बूझकर इस तरह का काम किया और इससे चुनाव आयोग की साख पूरी तरह से समाप्त हो जाएगी।

यह मानना थोड़ा मुश्किल है कि तार्किक विसंगति के कारण नाम काटने से पहले चुनाव आयोग को यह बात समझ में नहीं आई हो कि इनके दस्तावेज सही हैं। आखिर ऐसे 90 फीसदी लोगों के नाम सही पाए जा रहे हैं। अगर चुनाव आयोग को यह बात समझ नहीं आई तो यह उसकी अक्षमता का बड़ा सबूत है और अगर समझ में आई फिर भी नाम काटा तो उसकी साख मिट्टी में मिलती है। सो, इस मामले का जो भी नतीजा निकलेगा वह आयोग के लिए अच्छा नहीं होगा। हालांकि इसके बावजूद पश्चिम बंगाल का चुनाव रद्द नहीं होगा और न दोबारा चुनाव होगा।

मेष राशिः मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए नई खुशियां लाने वाला है। आज जरूरी काम से आपकी यात्रा होगी। संतान की सफलता आपको खुश करेगी, लोग आपको बधाई देने आपके घर आयेंगे। आज घर पर छोटी पार्टी का आयोजन कर सकते हैं, जिससे घर में लोगों का अच्छा मनोरंजन होगा। आज आपकी किस्मत चमकेगी, व्यापार में अच्छा धन लाभ होगा, जिससे आर्थिक स्थिति अच्छी होगी।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज आपके दिन की शुरुआत आपके अनुकूल होने वाली है। आज आप वर्किंग प्लेस पर खूब मेहनत करेंगे, अपनी उपलब्धियों पर गर्व महसूस होगा। आज आपको कई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिन्हें आप अच्छी तरह से निभाएंगे। इस राशि के मनोरंजन उद्योग से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन फायदेमंद होगा।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपका दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। आपका सोचा हुआ काम आज पूरा हो जायेगा। बिजनेस साझेदार के साथ किए गए कामों से आज आपको फायदा होगा। साथ ही खुले मन से काम करने पर अच्छे लोग आपसे जुडऩे की कोशिश करेंगे। इस राशि के प्रॉपर्टी डीलर के लिये आज का दिन बेहतर रहेगा।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है। आज मेहनत का परिणाम आपके फेवर में होगा, बस आप मेहनत पर कंसंट्रेट करें। किसी काम में अपनों की मदद मिलने से आपका उत्साह बढ़ेगा। आज जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनायेंगे, आपके रिश्ते में मजबूती आएगी।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका दिन जीवन में एक नई दिशा लेकर आयेगा। आज कोई इम्पोर्टेन्ट काम सहयोगियों की मदद से पूरा हो जायेगा। आज आप किसी बात को लेकर नेतृत्व करेंगे जिसमें अन्य लोगों का भी सहयोग रहेगा। साथ ही किसी इम्पोर्टेंट टॉपिक पर बातचीत भी होगी। इस राशि के जो लोग किसी दूसरे राज्य में व्यापार की शुरुआत करना चाहते हैं तो आज का दिन उनके लिए अच्छा है।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज आपका दिन बहुत बढिय़ा रहने वाला है। आपको किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब का ऑफर आएगा। किसी जरूरी काम पर आज विचार करने का पूरा मौका मिलेगा, समय का पूरा सदुपयोग करें। आज दूसरों को जितना ज्यादा महत्व देंगे, आपको भी उतना ही महत्व मिलेगा। काम की वजह से आप फैमिली को समय नहीं दे पाएंगे लेकिन परिवारवालों का साथ आपको मिलेगा।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी होने वाली है। आज अधिकारी वर्ग का सहयोग पाने में आसानी होगी, बिगड़ते काम बनेंगे। बच्चों के प्रति आपका प्रेम आपको उनका प्रिय बना देगा। आज आप बच्चों के साथ कहीं घूमने जायेंगे। आज आप गौ सेवा करने के लिए गौशाला जाएंगे।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आज किसी धार्मिक स्थल पर जायेंगे, जहां आप कुछ जरूरतमंद लोगों की मदद करेंगे। हर काम को धैर्य और समझदारी से पूरा करने की कोशिश करेंगे। आज किसी से मदद मांगने में संकोच न करें, सब आपके फेवर में है।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज आप अपने दिन की शुरुआत शांत मन से करेंगे। पुराने लेन-देन के मामलों में गड़बड़ी होने से आप थोड़ी उलझन में रहेंगे, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जायेगा। आज आप अपने खास रिश्तेदार के घर उनसे मिलने जायेंगे। आज आपको सरकारी क्षेत्र से लाभ होने की संभावना है।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज किसी पुराने दोस्त से मिलने उसके घर जायेंगे, पुरानी यादें ताज़ा होगी। आज यात्रा करने से बचने की कोशिश करें। आपको थकान और आलस्य महसूस हो सकता है। आज प्राइवेट शिक्षकों का दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। बच्चों के साथ थोड़ा टाइम स्पेंड कर सकते हैं।

कुंभ राशिः कुम्भ राशि वालों आज आप का दिन नई उमंगों के साथ शुरू होने वाला है। इस राशि के जो लोग बेकरी का बिजनेस करते हैं, उन्हें आज उम्मीद से ज्यादा लाभ हो सकता है। कला व साहित्य के लोगों के लिए आज का दिन बढिय़ा रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स अपने करियर को लेकर सोच-विचार में हैं, बेहतर है अपने गुरु से परामर्श लें।

मीन राशिःमीन राशि वालों आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी होने वाली है। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी। आज पैसों के मामले में उन्नति के नये रास्ते खुलेंगे। साथ ही आपको अपने काम, परिवार, और दोस्तों के बीच संतुलन बना कर रखना चाहिए। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर है, कंप्यूटर से रिलेटेड कोर्स ज्वॉइन कर सकते हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

पाकिस्तान की तरह ही भारतीय बोर्ड ने भी तब इंग्लैंड दौरे बदला था कोचिंग स्टाफ

एजेंसी, मुम्बई

इंग्लैंड दौरे पर जिस प्रकार से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टीम के खराब प्रदर्शन के बाद टीम बदलते हुए सात खिलाड़ियों को घर वापस भेज दिया है। वैसा ही एक एक बार भारतीय टीम के साथ भी हुआ था। जब इंग्लैंड दौरे पर ही बीसीसीआई ने रातों-रात पूरे कोचिंग स्टाफ को बदलने का फैसला लिया था। यह बात साल 2014 के इंग्लैंड दौरे की है। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक था। पहला टेस्ट ड्रॉ रहने के बाद, टीम इंडिया ने ऐतिहासिक लॉर्ड्स में दूसरा टेस्ट 95 रन से जीतकर उम्मीदें जगाई थीं, लेकिन इसके बाद लगातार तीन टेस्ट मैचों में उसे बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा। सीरीज का समापन तो भारतीय टीम के लिए और भी खराब रहा। तब द ओवल में खेला गया आखिरी मुकाबला भारत पारी और 244 रन से सिर्फ तीन दिन के भीतर हार गया। इस शर्मनाक प्रदर्शन के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने तत्काल ही मुख्य कोच डंकन फ्लेचर और उनके सहयोगी स्टाफ को वापस बुला लिया था। तब कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी और मुख्य कोच डंकन फ्लेचर को कॉन्फ्रेंस कॉल के जरिए बताया गया कि रवि शास्त्री को टीम का डायरेक्टर नियुक्त किया जा रहा है। शास्त्री को एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम डायरेक्टर बनाया गया था। तब फ्लेचर के अधिकारों में कटौती करते हुए, फील्डिंग कोच ट्रेवर पेनी और बॉलिंग कोच जो डॉस को तुरंत बाहर कर दिया गया था। उनकी जगह पूर्व भारतीय ऑलराउंडर संजय बांगर और पूर्व तेज गेंदबाज भरत अरुण को सहायक कोच के तौर पर इंग्लैंड भेजा गया, जबकि हैदराबाद के बाएं हाथ के पूर्व स्पिनर आर. श्रीधर वनडे सीरीज के लिए फील्डिंग कोच के रूप में सहयोगी टीम में शामिल किए गए। इस बड़े बदलाव के बाद टेस्ट सीरीज में हारने वाली भारतीय टीम ने शानदार वापसी करते हुए एकदिवसीय सीरीज 3-1 से जीती थी। सीरीज समाप्त होने के बाद शास्त्री ने डंकन फ्लेचर का खुलकर समर्थन किया था और यह भी कहा था कि फ्लेचर ही हेड कोच बने रहेंगे, जबकि उनका काम टीम के पूरे क्रिकेट ऑपरेशंस को देखना है हालांकि इसके विपरीत शास्त्री की भूमिका लगातार बढ़ती गई और आखिरकार 2017 में वह टीम के मुख्य कोच बनाए गए। हालांकि, भारत के साथ हुए इस घटनाक्रम और मौजूदा पाकिस्तान के हालात में एक बड़ा अंतर है। बीसीसीआई ने टेस्ट सीरीज खत्म होने के बाद यह सख्त कदम उठाया था, जबकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने तो टेस्ट सीरीज के बीच में ही अपने मुख्य कोच को हटा कर सफेद गेंद प्रारुप के कोच माइक हेसन को इंग्लैंड बुला लिया है।

अगरकर के कार्यकाल पर फैसला 5 सितंबर को बीसीसीआई आम बैठक में होगा

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के कार्यकाल को लेकर 5 सितंबर को होने वाली बीसीसीआई की आम बैठक (एजीएम) में फैसला होगा। इसमें तय किया जाएगा कि अगरकर का कार्यकाल बढ़ेगा या उनकी छुट्टी होगी। इस बैठक में कई अन्य मामलों पर भी बात होगी। ऐसे में अब देखना होगा कि अगरकर अपने पद पर बने रहते हैं या चयनसमिति को एक नया अध्यक्ष मिलेगा। अगरकर का कार्यकाल इसी माह समाप्त हो रहा है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) बहुत जल्द ही उनके मामले में फैसला लेगा। इसमें ये भी कहा गया है कि अगरकर को बीसीसीआई और टीम इंडिया के अंदर काफी समर्थन हासिल है जिसका लाभ उन्हें मिल सकता है। अगरकर ने साल 2023 में मुख्य चयनकर्ता का पद संभाला था और पिछले कुछ महीनों में उन्हें टीम इंडिया के चयन को लेकर आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा है, जिससे उन्हें नुकसान हो सकता है। बोर्ड उनके कार्यकाल को एक साल के लिए बढ़ाने का विचार कर सकता है पर अंतिम फैसला अगरकर पर भी निर्भर करेगा कि वे पद पर बने रहना चाहते हैं या नहीं। गौरतलब है कि अगरकर के कार्यकाल के बाद, टीम इंडिया

2023 एकदिवसीय विश्व के फाइनल तक पहुंची थी पर वहां ऑस्ट्रेलिया से हार गई। हालांकि, टीम ने साल 2024 का टी20 विश्व कप और फिर 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी और 2026 में एक और टी20 विश्व कप जीता। इन सफलताओं के बावजूद, उनके कार्यकाल में भारतीय टीम टेस्ट क्रिकेट में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाई है, जिसने वह आलोचना का केन्द्र बनी। पिछले लगभग दो साल में, तीनों प्रारूपों में भारतीय टीम में कई नए खिलाड़ियों को अवसर मिला है जबकि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी सहित कुछ सीनियर खिलाड़ियों को अवसर नहीं दिये जाने से वह सवालों के घेरे में हैं। अगरकर के कार्यकाल के दौरान सबसे बड़ा विवादों में से एक रोहित शर्मा को लेकर सामने आया था। ऐसी खबरें थीं कि रोहित के भविष्य को लेकर बीसीसीआई के कुछ अधिकारी और चयन समिति के सदस्य आमने-सामने आ गए थे।

पुजारा ने अपनी पसंदीदा टीम में इन तीन दिग्गजों को शामिल नहीं किया

एजेंसी, मुम्बई

पूर्व टेस्ट क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने अपनी पसंदीदा अंतिम ग्यारह टीम घोषित की है। पुजारा ने इस टीम में उन्हीं खिलाड़ियों को शामिल किया है। जिनके साथ उन्होंने अपने करियर में खेला था। पुजारा ने साल 2010 से 2023 तक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 103 टेस्ट मैचों में 7195 रन बनाए। उन्होंने हालांकि पांच एकदिवसीय मैच भी खेले पर वह इस प्रारुप में आगे नहीं खेल पाये। पुजारा ने अपने ड्रीम की टीम के , पांच वर्तमान खिलाड़ियों और छह पूर्व दिग्गजों को अपनी

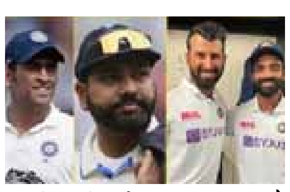

पसंदीदा टीम में शामिल किया है पर हैरानी की बात ये है कि उनकी इस टीम में तीन दिग्गज खिलाड़ियों महेन्द्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा और अजिंक्य रहाणे के नाम नहीं हैं। इस टीम में पुजारा ने केवल उन्हीं खिलाड़ियों को रखा है जिनके साथ उन्होंने अपने 13 साल के करियर में खेला था। सलामी बल्लेबाज के तौर पर उन्होंने राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग को रखा है। द्रविड़ ने साल 1996 से 2012 तक भारत के लिए 13265 टेस्ट रन बनाए, और आक्रामक बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग के साथ उन्होंने साल 2001 से 2013 तक 103 टेस्ट में 8503 रन बनाये। पुजारा ने अपनी इस टीम में खुद को अपनी पसंदीदा तीसरे नंबर पर रखा है। मध्यक्रम में उन्होंने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को चौथे और विराट कोहली को पांचवें नंबर पर रखा है। वहीं छठे नंबर पर पुजारा ने वीवीएस लक्ष्मण को चुना, जो अजिंक्य रहाणे की जगह लेते दिख रहे हैं।

जावी हर्नांडिज ने संभाली नीदरलैंड फुटबॉल टीम के कोच पद की कमान

एजेंसी, एम्सटर्डम। नीदरलैंड फुटबॉल संघ ने स्पेन के पूर्व फुटबॉलर जावी हर्नांडिज को अपनी फुटबॉल टीम का नया मुख्य कोच बनाया है। अब उन्हें टीम को आगे ले जाने की जिम्मेदारी मिली है। वह साल 2030 तक फीफा विश्व कप तक टीम के कोच बने रहेंगे। जावी ने पद संभालते हुए अपनी टीम के लिए अपनी योजनाओं का भी खुलासा किया, जिसमें स्थानीय ज्ञान को शामिल करने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने कहा, हमारा इरादा एक ऐसा कोचिंग स्टाफ बनाने का है जिसमें डच लोग भी शामिल हो। नये कोच ने कहाकि एफसी बार्सिलोना एकेडमी में रहने और जोहान क्रूफ तथा रिनस मिशेल्स जैसे डच दिग्गजों से मिली सीख के कारण, वह डच फुटबॉल से एक विशेष संबंध महसूस करते हैं। उन्होंने यहां तक कहा, आप कह सकते हैं कि मैं एक तरह से डच फुटबॉल का ही एक बेटा हूं। उन्होंने लुइस वैन गाल, जिनके नेतृत्व में उन्होंने बार्सिलोना में अपना डेब्यू किया, और फ्रैंक रिजकार्ड जैसे अन्य महान कोचों को भी याद किया, जिन्होंने उन्हें एक खिलाड़ी और एक कोच, दोनों के तौर पर बेहतर बनाया। गौरतलब है कि एक खिलाड़ी के तौर पर, जावी को फुटबॉल की दुनिया के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर्स में से एक माना जाता है।

सीए ने दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए घोषित की ऑस्ट्रेलियाई टीम, लाबुशेन को नहीं मिली जगह

एजेंसी, सिडनी

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने आगामी अफ्रीकी दौरे के लिए अपनी एकदिवसीय टीम घोषित कर दी है। सीए ने मार्नस लाबुशेन सहित पांच खिलाड़ियों को अपनी इस टीम में शामिल नहीं किया है। लाबुशेन पिछले कुछ समय से ही खराब फॉर्म से जूझ रहे थे, उन्हें इस फैसले के कारण बाहर होना पड़ा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम को जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज खेलनी है। आगामी एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए ये दोनो ही सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है। चयनकर्ताओं ने लाबुशेन के अलावा मैट शॉर्ट, बेन ड्वारशुईस, लियाम स्कॉट और टॉड मर्फी को भी टीम से बाहर कर दिया है। लाबुशेन के लिए यह निराशाजनक है, क्योंकि उन्हें भविष्य का सितारा कहा जाता रहा है पर लगातार खराब फॉर्म के कारण उन्हें टीम में अपनी जगह खोनी पड़ी है। यह बड़ा बदलाव ऐसे समय में आया है जब ऑस्ट्रेलिया हाल ही में पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसी कमजोर टीमों के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में हारी है। इससे टीम के प्रदर्शन और चयन नीति पर लगातार सवाल उठ रहे थे। आगामी विश्व कप की तैयारियों के मद्देनजर, चयनकर्ताओं ने स्पष्ट संदेश दिया है कि प्रदर्शन ही अंतिम मानदंड होगा। वहीं हाल में घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने वाले विक्टोरिया के ओली पीक और युवा खिलाड़ी जोएल डेविस को टीम में शामिल किया गया है। टीम में मिचेल मार्श जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं, जो टीम को स्थिरता प्रदान करेंगे।

बिजनेस

कमजोर बाजार में सुमैक्स इंजीनियरिंग की मजबूत एंट्री, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

ऑटो रिफिनिश मार्केट के लिए ऑटोमोटिव ओरिजनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर सुमैक्स इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयरों ने आज शेयर बाजार में वैश्विक दबाव के कारण बने निगेटिव सेंटिमेंट्स के बावजूद मजबूती के साथ एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 101 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 9.90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 111 रुपये के स्तर पर हुई। मजबूत लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर थोड़ी देर में ही 116 रुपये के स्तर पर पहुंच गए। हालांकि बाद में मुनाफा वसूली होने के कारण इसके भाव में कुछ गिरावट भी आई। दोपहर एक बजे तक कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 114 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह

अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 13 रुपये यानी 12.87 प्रतिशत का फायदा हो चुका है। सुमैक्स इंजीनियरिंग का 53.40 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 28 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 162.94 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 121.28 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 270.70 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 158.98 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 52,87,200 शेयर जारी किए गए हैं। इनमें लगभग 44 करोड़ रुपये के लगभग 42,91,200 नए शेयर बेचे गए हैं, जबकि लगभग 10 करोड़ रुपये के 9,96,000 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बिके हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी राजस्थान और हरियाणा में नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, आईपीओ से जुड़े खर्चों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। सुमैक्स इंजीनियरिंग लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 7.43 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 9.98 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 12.76 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 131.54 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 147.18 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 148.34 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 6.43 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 7.75 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ उछल कर 13.06 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 38.86 करोड़ रुपये के स्तर पर था। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का नेटवर्थ बढ़ कर 48.84 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में ये 61.60 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें तो इस अवधि में कंपनी इस मोर्चे पर भी बढ़त हासिल करने में सफल रही है।

भारत-अफगानिस्तान व्यापार, कस्टम और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने पर सहमत

दोनों देशों के बीच व्यापार सहयोग मजबूत करने के उपायों को लेकर बैठक

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और अफगानिस्तान संयुक्त कार्य समूह ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार एवं आर्थिक सहयोग और मजबूत करने के उपायों की समीक्षा के लिए वर्चुअल माध्यम से बैठक की। संयुक्त कार्यसमूह ने इस बैठक में व्यापार सुगमता, सीमा शुल्क सहयोग, संपर्क और निवेश पर चर्चा की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में बताया कि व्यापार, वाणिज्य और निवेश पर भारत और अफगानिस्तान संयुक्त कार्यसमूह (जेडब्ल्यूजी) की बैठक मंगलवार को वर्चुअल माध्यम से आयोजित की गई। जिसमें द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग को सुदृढ़ करने के उपायों की समीक्षा की गई। बैठक में दोनों देशों ने वाणिज्यिक गतिविधियों को मजबूत करने के लिए आगे की कार्यवाहियों पर सहमति व्यक्त की। मंत्रालय के मुताबिक बैठक में भारत

और अफगानिस्तान के अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें वाणिज्य, उद्योग, सीमा शुल्क, नियामक प्राधिकरणों और राजनयिक मिशनों के प्रतिनिधि शामिल थे। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग से संबंधित विभिन्न मुद्दों की समीक्षा की और व्यापार को पहले से अधिक सुविधाजनक बनाने तथा दोनों देशों के बीच वाणिज्यिक संबंधों को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की। चर्चा में व्यापार सुगमता और सीमा शुल्क सहयोग, अफगान व्यापारियों के लिए वीजा सुगमता, बैंकिंग एवं वित्तीय सहयोग, दवा एवं कृषि व्यापार, ऊर्जा सहयोग, निवेश एवं व्यापार संवर्धन, टैरिफ रियायतें, कार्गो कनेक्टिविटी और बंदरगाह से संबंधित मुद्दे शामिल थे। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्ष संस्थागत सहयोग को मजबूत करने और चिन्हित क्षेत्रों में आगे की कार्यवाही करने पर सहमत हुए, जिनमें सीमा शुल्क और डेटा-साझाकरण सहयोग को बढ़ाना, फार्मास्यूटिकल्स और कृषि में नियामक सहयोग, व्यापार संपर्क में सुधार और निवेश तथा व्यापार-से-व्यापार जुड़ाव को बढ़ावा देना शामिल है। यह बैठक सौहार्दपूर्ण और रचनात्मक वातावरण में संपन्न हुई। दोनों पक्षों ने भारत-अफगानिस्तान व्यापार, वाणिज्य और निवेश संबंधों को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की और प्रमुख मुद्दों पर निरंतर संवाद बनाए रखने पर सहमति जताई।

वित्त मंत्री सीतारमण ने की विश्व बैंक प्रमुख अजय बंगा से मुलाकात, सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

एजेंसी, वॉशिंगटन

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा से मुलाकात कर भारत तथा इस अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्था के बीच सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को एक्स पोस्ट में बताया कि सीतारमण ने मंगलवार को एशविले में जी20 सदस्य देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नर (एफएमसीबीजी) की बैठक से इतर विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा मुलाकात की। वित्त मंत्री ने भारत के साथ वर्ल्ड बैंक ग्रुप के लगातार जुड़ाव की सराहना की और 1.5 अरब डॉलर की डेवलपमेंट पॉलिसी फाइनेंसिंग (डीपीएफ) की तेजी से

प्रोसेसिंग को सराहा। इस मुलाकात के दौरान सीतारमण ने सिडबी के जरिए एमएसएमई को आईएफसी से मिले सहयोग की भी तारीफ की। इस प्रक्रिया को रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया और इसका एमएसएमई सेक्टर पर सकारात्मक असर पड़ा है। दोनों नेताओं ने भारत-वर्ल्ड बैंक समूह की साझेदारी को और मजबूत करने पर चर्चा की। इसमें भारत में एमआईजीए की बड़ी भूमिका पर विचार करना भी शामिल था, ताकि गारंटी के व्यवस्थित इस्तेमाल और प्राइवेट कैपिटल को ज्यादा जुटाकर कॉर्पोरेट, इंफ्रास्ट्रक्चर और म्युनिसिपल बॉन्ड मार्केट को गहरा किया जा सके। वित्त मंत्रालय ने बताया कि बातचीत में इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए क्रेडिट बढ़ाने के वास्ते सेक्टर-आधारित, प्रोग्राम-आधारित अप्रोच पर भी चर्चा हुई। बंगा ने भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर में आए बड़े बदलाव की सराहना की और भारत के विकास लक्ष्यों को पूरा करने के लिए वर्ल्ड बैंक ग्रुप के साधनों का और फ़ायदा उठाने के मौकों पर ध्यान दिया। इसमें एमआईजीए की भागीदारी और विदेशों में निवेश करने वाली भारतीय कंपनियों के लिए पॉलिटिकल रिस्क इंश्योरेंस शामिल है।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी, नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान जबरदस्त गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर हिस्सों में सोना आज 2,090 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,680 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गई है। वहीं चेन्नई में सोने की कीमत आज 1,950 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,130 रुपये प्रति 10 ग्राम तक गिर गई है। चांदी भी आज ज्यादातर सर्राफा बाजार में 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में बदलाव होने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,080 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,41,240 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,41,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार में 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,54,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

प्रणव कंस्ट्रक्शंस लिमिटेड का आईपीओ 7 सितंबर को खुलेगा, प्राइस बैंड 118-124 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी, नई दिल्ली/मुंबई

प्रणव कंस्ट्रक्शंस लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 07 सितंबर को खुलेगा। इसमें निवेश के लिए निवेशक 09 सितंबर तक बोली लगा सकते हैं। इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 118-124 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने बुधवार को प्रेसवार्ता में बताया कि प्रणव कंस्ट्रक्शंस लिमिटेड का आईपीओ 07 सितंबर को खुलेगा और 09 सितंबर को बंद होगा। इसमें निवेश के लिए एंकर निवेशक 4 सितंबर को बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 118-124 रुपये प्रति शेयर तय किया है।

प्रणव कंस्ट्रक्शंस लिमिटेड का यह आईपीओ 3,156.00 मिलियन तक का फ्रेश इश्यू है, जिसमें इन्वेस्टर शेयरहोल्डर-बायो ऊर्जा इंडिया इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा कुल 2,856,869 इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव (ओएफएस) भी शामिल है। कंपनी के अनुसार 10 रुपये अंकित मूल्य वाले इस इश्यू में निवेशक न्यूनतम 120 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 120 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। इसके शेयरों का एनएसई और बीएसई दोनों पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2003 में बनी यह कंपनी रियल एस्टेट के क्षेत्र में बड़ी कंपनी है। ये कंपनी मुंबई की टॉप रीडेवलपमेंट कंपनियों में से एक है, जो मुख्य रूप से वेस्टर्न सबर्ब्स में किफायती, मिड और मास और एस्पिरेशनल घरों पर ध्यान केंद्रित करते हुए रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स करती है।

माधव की पहली फिल्म 'मरेम्मा का ट्रेलर जारी, रहस्य और रोमांच से भरपूर है कहानी

10 सितंबर को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

द दक्षिण भारतीय फिल्मों के लोकप्रिय अभिनेता और 'मास राजा के नाम से मशहूर रवि तेजा के भतीजे माधव फिल्म 'मरेम्मा से अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। मंचला नागराज के निर्देशन में बनी यह फिल्म 10 सितंबर 2026 को बड़े स्तर पर सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। फिल्म के प्रचार अभियान और टीजर को दर्शकों की ओर से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। निर्माताओं ने मंगलवार को फिल्म का ट्रेलर जारी किया। अभिनेता राम ने ट्रेलर जारी करते हुए फिल्म की पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं। ट्रेलर में एक गांव की रहस्यमयी और रोमांचक घटनाओं को दिखाया गया है, जहां लगातार भैंसों की रहस्यमयी मौतों से ग्रामीणों के बीच डर का माहौल बना हुआ है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि गांव में एक नर भैंस के जन्म के बाद घटनाक्रम में बदलाव आता है। मुख्य किरदार इस भैंस की देखभाल करने लगता है। इसके बाद कहानी में कई अप्रत्याशित घटनाएं सामने आती हैं और रहस्य लगातार गहराता जाता है। बार-बार होने वाली रहस्यमयी घटनाओं के कारण ग्रामीणों की चिंता बढ़ती जाती है। ट्रेलर में माधव का किरदार इन घटनाओं के बीच महत्वपूर्ण भूमिका निभाता नजर आता है। माधव ने अपने प्रभावशाली अभिनय से ध्यान आकर्षित किया है। फिल्म के छायांकन और पार्श्व संगीत को भी ट्रेलर में विशेष रूप से प्रभावशाली दिखाया गया है। ग्रामीण परिवेश और रहस्यमयी घटनाओं को दृश्यात्मक रूप से प्रस्तुत करने की कोशिश फिल्म को अलग अंदाज देती है। फिल्म में दीपा बालू मुख्य अभिनेत्री की भूमिका निभा रही हैं। इसके अलावा विकास वशिष्ठ, दयानंद रेड्डी और वी.एस. रूपा लक्ष्मी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन मंचला नागराज ने किया है, जबकि संगीत प्रशांत आर. विहारी ने तैयार किया है। फिल्म का निर्माण मोक्ष आर्ट्स के बैनर तले मयूर रेड्डी बंदारू कर रहे हैं। फिल्म के छायाकार प्रशांत अंकीरेड्डी हैं। माधव की यह पहली फिल्म है और उनके अभिनय को लेकर दर्शकों में उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म के प्रचार अभियान और टीजर को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद ट्रेलर ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। 'मरेम्मा में ग्रामीण परिवेश, रहस्य और रोमांच का मेल देखने को मिलेगा। भैंसों की रहस्यमयी मौतें, नर भैंस का जन्म और उसके बाद होने वाली घटनाएं फिल्म की कहानी को दिलचस्प बनाती हैं। फिल्म 10 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

पुरुषों के सामने लगभग निर्वस्त्र होकर अभिनय करना पड़ा था दीया को

व वर्ष 2004 में रिलीज हुई फिल्म 'तुमसा नहीं देखा' के एक गाने की शूटिंग को याद करते हुए अभिनेत्री दीया मिर्जा ने बताया कि उस दौरान उन्हें सेट पर मौजूद सैकड़ों लोगों के बीच बेहद असहज स्थिति का सामना करना पड़ा था। हाल ही में दीया मिर्जा ने फिल्म 'तुमसा नहीं देखा' के गीत 'मुझे तुमसे मोहब्बत है' की शूटिंग से जुड़ा यह किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि उस समय उनके लिए सबसे मुश्किल बात यह थी कि उन्हें सेट पर मौजूद बड़ी संख्या में पुरुषों के सामने लगभग निर्वस्त्र होकर अभिनय करना पड़ा था। अभिनेत्री के अनुसार, शूटिंग के दौरान उन्होंने केवल अंडरवियर और ब्रा पहनकर दृश्य फिल्माया था। दीया ने कहा कि एक महिला कलाकार के तौर पर यह अनुभव उनके करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण पलों में शामिल था। हालांकि, उन्होंने यह भी बताया कि गीत की कोरियोग्राफर वैभवी मर्चेंट और शूटिंग से जुड़ी पूरी टीम ने ऐसा माहौल बनाया, जिससे उन्हें सुरक्षा और भरोसे का एहसास हुआ। इसी वजह से वह अपने डर और झिझक से बाहर निकल सकीं और बेहतर तरीके से अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर पाईं। अभिनेत्री ने कहा कि उस अनुभव ने उन्हें अभिनय और कलाकार होने की जिम्मेदारी को अलग नजरिए से समझने में मदद की। उनके अनुसार, वह धीरे-धीरे यह समझने लगी थीं कि किसी भी अभिनेता के लिए अपने किरदार की सच्चाई और उसके माध्यम से दिए जाने वाले संदेश को समझना महत्वपूर्ण होता है। एक बार जब वह इस सोच के साथ काम करने लगीं, तो उनके लिए यह उतना मायने नहीं रखता था कि सेट या कमरे में कितने लोग मौजूद हैं। दीया मिर्जा ने अपने शुरुआती दिनों की चुनौतियों को अपने विकास का अहम हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि करियर के दौरान आए कठिन अनुभवों ने ही उन्हें आज बेहतर कलाकार बनने में मदद की है। अभिनेत्री का मानना है कि यदि वह अपने किरदारों में भावनाओं की गहराई और वास्तविक जीवन के अनुभवों को शामिल कर पाती हैं, तो इसके पीछे उनके लंबे फिल्मी सफर में सीखी गई बातें और मुश्किल परिस्थितियों से मिले सबक हैं। दीया ने कहा कि एक कलाकार के रूप में सीखने और खुद को बेहतर बनाने की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में भी वह लगातार सीखती रहेंगी और अपने काम को और बेहतर बनाने का प्रयास करती रहेंगी।

बॉलीवुड में जगह बनाना दीपक तिजोरी के लिए नहीं था आसान

1990 के दशक में बॉलीवुड अभिनेता दीपक तिजोरी ने कई यादगार फिल्मों के जरिए अपनी अलग पहचान बनाई। उनके करियर से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा सुपरहिट फिल्म 'बाजीगर' को लेकर भी अक्सर चर्चा में रहता है। दीपक तिजोरी का कहना है कि इस फिल्म का शुरुआती विचार उन्होंने निर्देशक जोड़ी अब्बास-मस्तान को दिया था, लेकिन बाद में फिल्म शाहरुख खान के साथ बनी और उनके करियर की बड़ी सफलताओं में शामिल हो गई। दीपक तिजोरी का जन्म 28 अगस्त 1961 को मुंबई में हुआ था। पढ़ाई पूरी करने के बाद उनका रुझान अभिनय की ओर बढ़ा और उन्होंने थिएटर के माध्यम से अपने करियर की शुरुआत की। बिना किसी बड़े फिल्मी पारिवारिक पृष्ठभूमि के फिल्म उद्योग में जगह बनाना उनके लिए आसान नहीं था, लेकिन लगातार मेहनत और छोटे किरदारों के जरिए उन्होंने धीरे-धीरे अपनी पहचान स्थापित की। वर्ष 1990 में रिलीज हुई फिल्म 'आशिकी' ने उन्हें व्यापक पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने कई सफल फिल्मों में काम किया और 1990 का दशक उनके करियर का सबसे महत्वपूर्ण दौर बन गया। इसी दौरान 'बाजीगर' की कहानी से जुड़ा घटनाक्रम सामने आया। एक इंटरव्यू में दीपक तिजोरी ने बताया था कि उन्होंने हॉलीवुड फिल्म 'अ किस बिफोर डाइंग' देखी थी और उसकी कहानी से काफी प्रभावित हुए थे। इसके बाद उन्होंने इस विचार को हिंदी सिनेमा के अनुरूप ढालने का प्रस्ताव अब्बास-मस्तान के सामने रखा। उनकी इच्छा थी कि इस फिल्म में मुख्य भूमिका वह स्वयं निभाएं।

भोजपुरी सिनेमा को सिर्फ डबल मीनिंग गानों से जोडऩे पर मोनालिसा ने जताई नाराजगी

मो मोनालिसा भोजपुरी सिनेमा की उन अभिनेत्रियों में शामिल हैं, जिन्होंने रीजनल इंडस्ट्री से निकलकर नेशनल टेलीविजन और मनोरंजन की दुनिया में अपनी पहचान बनाई है। लंबे समय से भोजपुरी सिनेमा को लेकर ग्लैमर, डबल मीनिंग गानों और अश्लील कंटेंट की चर्चा होती रही है। इस लेकर मोनालिसा का मानना है कि कुछ गानों या म्यूजिक वीडियो के आधार पर पूरी भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री को एक ही नजर से देखना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि भोजपुरी फिल्मों को लेकर राय बनाने वाले कई लोगों ने शायद असल में फिल्में देखी ही नहीं हैं। मोनालिसा ने कहा, मैं कई सालों से भोजपुरी इंडस्ट्री को लेकर इस तरह की बातें सुनती आ रही हूं। मुझे लगता है कि लोगों की सोच फिल्मों से ज्यादा उन म्यूजिक वीडियो की वजह से बनी है, जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल होते हैं और लाखों-करोड़ों व्यूज हासिल करते हैंऔर उसी के आधार पर वे पूरी इंडस्ट्री को जज करने लगते हैं।मोनालिसा ने कहा, हर भोजपुरी फिल्म को एक ही नजर से देखना ठीक नहीं है। एल्बम और म्यूजिक वीडियो में भले ही ग्लैमर या इस तरह का कंटेंट ज्यादा देखने को मिल सकता है, लेकिन फिल्मों की कहानी और उनका ट्रीटमेंट अलग होता है। भोजपुरी फिल्मों में अच्छे कलाकार हैं और हम लोग फिल्मों में पूरी ईमानदारी से अच्छा काम करते हैं। मोनालिसा ने इस दौरान देश में तेजी से आगे बढ़ रहे रीजनल सिनेमा पर भी बात की। उन्होंने कहा, अब सिर्फ हिंदी सिनेमा ही दर्शकों का ध्यान नहीं खींच रहा, बल्कि अलग-अलग राज्यों की फिल्म इंडस्ट्री भी लगातार मजबूत हो रही हैं। क्षेत्रीय भाषाओं की फिल्मों को देश के दूसरे हिस्सों में भी दर्शक मिल रहे हैं और कलाकारों को पहले के मुकाबले ज्यादा बड़ा प्लेटफॉर्म मिल रहा है। मोनालिसा ने उदाहरण देते हुए कहा कि साउथ इंडियन और बंगाली सिनेमा कई मामलों में लंबे समय से आगे रहे हैं और अब दूसरी क्षेत्रीय इंडस्ट्री भी तेजी से अपनी पहचान मजबूत कर रही हैं। अभिनेत्री ने अपने करियर को लेकर कहा, मैंने रीजनल बैकग्राउंड से आने के बावजूद काफी पहले ही नेशनल एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कदम रखने की कोशिश शुरू कर दी थी। करीब एक दशक से मैं नेशनल टेलीविजन का हिस्सा हूं। मैंने बिग बॉस और नच बलिए जैसे रियलिटी शोज के अलावा कई टेलीविजन सीरियल्स में भी काम किया। मैंने कई साउथ इंडियन फिल्मों में भी काम किया है।

टॉक्सिक ने वर्ल्डवाइड पार किया 300 करोड़ का आंकड़ा

क कन्नड़ सिनेमा के अभिनेता यश की फिल्म टॉक्सिक सिनेमाघरों में 6 दिन पूरे कर चुकी है। छुट्टियों का फायदा उठाने के बाद इसने कारोबारी दिनों में दस्तक दे दी है, जिसका असर फिल्म के ताजा कलेक्शन पर देखने को मिल चुका है। खास बात यह है कि फिल्म ने दुनियाभर में 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है, जिसे एक बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, घरेलू स्तर पर कमाई कम होते दिखी है। सैकनिल्क के मुताबिक, टॉक्सिक ने रिलीज के 6वें दिन और अपने पहले सोमवार को 7.45 करोड़ रुपये कमाए। फिल्म का 5वें दिन कलेक्शन 23 करोड़ रुपये था, लेकिन कारोबारी दिनों में आते ही कमाई एकल संख्या में सिमट गई। घरेलू स्तर पर फिल्म ने अब तक 221.55 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। हालांकि, अपना 500 करोड़ रुपये का बजट वसूलने के लिए इसे अभी कड़ी मेहनत करनी होगी। वहीं, वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 304.05 करोड़ रुपये हो चुका है। चैप्टर 2 ने रिलीज के 6 दिनों के अंदर भारत में 467.95 करोड़ रुपये का नेट कारोबार कर लिया था। इस हिसाब से देखा जाए, तो टॉक्सिक अभी काफी पीछे है।

गीतू मोहनदार द्वारा निर्देशित यह एक गैंगस्टर एक्शन-ड्रामा है, जिसमें यश के साथ कियारा आडवाणी मुख्य किरदार में हैं। तारा सुतारिया, नयनतारा, हुमा कुरैशी और रुक्मिणी वसंत भी इसके मुख्य किरदारों में शामिल हैं। फिल्म 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

हुंकार-द रोर से अनीत पड्डा का फर्स्ट लुक पोस्टर आउट

सा साल 2025 में फिल्म सैयारा से देशभर में छाईं एक्ट्रेस अनीत पड्डा एक बार फिर धमाका करने की फिराक में हैं. सैयारा में अपनी सादगी और खूबसूरती से फैंस के दिलों पर राज कर चुकीं अब अनीत अलग ही अवतार में नजर आएंगी. अभिनेत्री अब अपने अगले प्रोजेक्ट हुंकार-द रोर में नजर आएंगी. सीरीज से अनीत पड्डा का फर्स्ट लुक पोस्टर भी जारी हो चुका है. हुंकार-द रोर से आए अनीत पड्डा के फर्स्ट लुक पोस्टर की बात करें तो इसमें वह बेहद साधारण दिख रही हैं. एक्ट्रेस का बेहद अलग लुक दिख रहा है. एक्ट्रेस ने सूट पहना हुआ है और गले में दुपट्टा है. नई प्रोजेक्ट में अनीत का लुक बहुत ही सिंपल है. अनीत ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्टर शेयर कर किया है. एक्ट्रेस ने लिखा है, एक सच, एक आवाज एक हुंकार. सीरीज से अनीत के अलावा फातिमा सना शेख, मोहम्मद जीशान अय्यूब और अर्जुन माथुर का भी फर्स्ट लुक पोस्टर सामने आया है. बता दें, सीरीज की अन्य स्टारकास्ट में राम कपूर, करण कपाडिय़ा, हीराज मराफ्तिया और रघुबीर यादव के नाम भी शामिल हैं. इसका प्रीमियर 25 सितंबर को जियोहॉटस्टार पर होगा। बिरला स्टूडियोज, अप्लॉज एंटरटेनमेंट, पर्पल पेबल पिक्चर्स और मंगाटा फिल्म्स द्वारा निर्मित हुंकार- द रोर एक रोमांचक कानूनी थ्रिलर सीरीज है. इसमें दमदार कलाकारों की टोली नजर आने वाली है. फैंस को सबसे ज्यादा इंतजार सैयारा फेम एक्ट्रेस अनीत पड्डा की अपीरियंस का है. अनीत के वर्किंग शेड्यूल की बात करें तो यह काफी बिजी रहने वाला है. वो जल्द ही मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित शक्ति शालिनी में भी नजर आएंगी. इस आगामी हॉरर-कॉमेडी फिल्म में विशाल जेठवा और विनीत कुमार सिंह भी मुख्य भूमिकाओं में हैं. आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित यह फिल्म फिलहाल 24 दिसंबर 2026 को रिलीज होने वाली है. इसके अलावा, ऐसी अटकलें हैं कि रणबीर कपूर और आलिया भट्ट स्टारर फिल्म ब्रह्मास्त्र पार्ट टू: देव में अनीत अहम रोल में दिख सकती हैं.

पत्नी से शादी की तारीख भूलना भारी पड़ सकता है पतियों को: अमिताभ

स सदी के महानायक अमिताभ बच्चन लोकप्रिय क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति 18' में अपने निराले अंदाज से प्रतिभागियों और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रहे हैं। हाल ही में शो के दौरान एक प्रतिभागी से बातचीत में उन्होंने शादीशुदा पुरुषों को ऐसी सलाह दी, जिसे सुनकर स्टूडियो में मौजूद दर्शक ठहाके लगाने लगे। दरअसल, अमिताभ बच्चन शो में एक प्रतिभागी से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उन्हें पता चला कि प्रतिभागी को अपनी पहली मुलाकात और शादी की सालगिरह की तारीख अच्छी तरह याद है। प्रतिभागी की यह बात सुनकर अमिताभ काफी प्रभावित हुए और उन्होंने इसी बहाने वहां मौजूद सभी शादीशुदा पुरुषों के साथ-साथ घर पर कार्यक्रम देख रहे पतियों को भी एक खास सलाह दे डाली। अमिताभ ने मजाकिया अंदाज में कहा कि सभी पति एक बात ध्यान से सुन लें, जिस दिन उनकी शादी हुई थी, उस तारीख को कभी नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने कहा कि आदमी भले ही दुनिया की दूसरी बातें भूल जाए, लेकिन पत्नी के साथ शादी की तारीख भूलना भारी पड़ सकता है, क्योंकि पत्नियां कभी भी यह सवाल पूछ सकती हैं कि शादी की तारीख याद है या नहीं। इसके बाद बिग बी ने हंसते हुए कहा कि अगर किसी पति ने इस मामले में गलती कर दी तो फिर जूते, चप्पल और बेलन तक चल सकते हैं। अमिताभ की यह टिप्पणी सुनते ही स्टूडियो का माहौल हंसी से भर गया और दर्शकों ने जोरदार तालियां बजाईं। अमिताभ बच्चन इससे पहले भी अपने वैवाहिक जीवन और घरेलू दिनचर्या से जुड़े कई रोचक किस्से साझा कर चुके हैं। उन्होंने बताया था कि जब शूटिंग के कारण उन्हें घर पहुंचने में देर होने की संभावना होती है, तो वह पहले ही परिवार को इसकी जानकारी दे देते हैं। उनका मानना है कि पहले से सूचना देने पर घर पहुंचने के बाद ज्यादा सवाल-जवाब का सामना नहीं करना पड़ता। बिग बी ने घर के कामों को लेकर भी एक दिलचस्प बात साझा की थी। उन्होंने कहा था कि यदि घर में स्टाफ मौजूद नहीं हो तो वह खुद भी कई घरेलू काम संभाल लेते हैं। हालांकि खाना बनाना उन्हें नहीं आता, इसलिए कई बार वह अपनी पत्नी जया बच्चन से अपने लिए कुछ तैयार करने को कहते हैं।

खाने में इस्तेमाल किया जा सकता है लैवेंडर, इससे बनाएं ये 5 व्यंजन

लै लैवेंडर एक सुगंधित और औषधीय गुणों से भरपूर पौधा है। आमतौर पर इसका इस्तेमाल अरोमाथेरेपी और त्वचा की देखभाल के उत्पादों में किया जाता है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि लैवेंडर को खाने में भी इस्तेमाल किया जा सकता है? जी हां, लैवेंडर खाने में भी काफी उपयोग होने लगा है। इस लेख में हम आपको बताते हैं कि कैसे आप लैवेंडर को अपनी रसोई में शामिल कर सकते हैं और इससे क्या-क्या व्यंजन बना सकते हैं। लैवेंडर की चाय एक बेहतरीन पेय है, जो आपको आराम और शांति प्रदान करता है। इसे बनाने के लिए एक कप पानी में कुछ लैवेंडर के फूल डालें और उसे उबालें। जब पानी हल्का नीला हो जाए तो इसे छानकर कप में डालें और इसमें शहद मिलाकर पिएं। यह चाय तनाव कम करने में मदद करती है और नींद लाने में भी सहायक है। इसके नियमित सेवन से आपका मन शांत रहता है और आप ताजगी महसूस करते हैं। गर्मियों में ठंडी-ठंडी आइसक्रीम कौन नहीं पसंद करता? अगर आप कुछ नया आजमाना चाहते हैं तो घर पर ही लैवेंडर की आइसक्रीम बना सकते हैं। इसके लिए दूध, मलाई, चीनी और

लैवेंडर का इस्तेमाल करें। इन सभी सामग्रियों को मिलाकर उबालें और ठंडा होने दें, फिर इसे जमने के लिए रख दें। जब आइसक्रीम जम जाए तो इसे परोसें और इसका आनंद लें। यह आइसक्रीम न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है। सिरके का इस्तेमाल सलाद ड्रेसिंग और अन्य व्यंजन बनाने में किया जाता है। अगर आप सिरके में कुछ नया जोडऩा चाहते हैं तो लैवेंडर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सफेद सिरके में सूखे लैवेंडर के फूल डालकर उसे धूप में रखें, ताकि उसका स्वाद अच्छे से निकल आए। यह सिरका आपके व्यंजनों को एक अनोखा स्वाद देगा। आप इस सिरके को सलाद ड्रेसिंग में, सॉस में या फिर किसी भी तरह की ग्रेवी में इस्तेमाल कर सकते हैं। बिस्किट बनाने के लिए मैदा, मक्खन, चीनी और सूखे लैवेंडर के फूलों का इस्तेमाल करें। इन सभी सामग्रियों को मिलाकर आटा गूंथ लें और छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर ओवन में सेंक लें। ये बिस्किट चाय या कॉफी के साथ बहुत ही स्वादिष्ट लगते हैं और बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी को पसंद आते हैं।

लैवेंडर का शहद

शहद अपने आप में एक सेहतमंद चीज है और अगर उसमें लैवेंडर मिल जाए तो उसका फायदा कई गुना बढ़ जाता है। इसे बनाने के लिए शहद में सूखे लैवेंडर के फूल डालकर उसे कुछ दिन धूप में रखें, ताकि उसका सुगंधित प्रभाव शहद में समा जाए। इस तरह आप आसानी से अपनी रसोई में लैवेंडर को भी शामिल कर सकते हैं और इसका भरपूर लाभ भी उठा सकते हैं।

BRIFF NEWS

MEA: 51 Indians die serving in Russian army

New Delhi, Agency: Foreign secretary Vikram Misri said Monday India remains in touch with Russia over the issue of Indian nationals serving in the Russian army and that out of the 227 such individuals, 139 have been discharged. However, he also said that 51 Indians who worked with the Russian army had perished unfortunately.

"This issue has been discussed at various levels. You would be aware that our embassy in Moscow is monitoring this situation regularly with regard to the release and repatriation of these Indian citizens," said Misri.

Govt launches ornamental fisheries mission with focus on Lakshadweep

New Delhi, Agency: India on Monday launched a mission-mode initiative to develop the ornamental fish farming, breeding and export sector, with Lakshadweep positioned at the centre of the effort to tap its vast marine resources and aquatic biodiversity.

Vice-President CP Radhakrishnan launched "Mission Rangeen Machhli 2031" from Lakshadweep, India's smallest Union Territory. The mission aims to establish uniform standards for breeding, biosecurity, quality control and trade across the country's ornamental fisheries sector, which focuses on colourful decorative fish for aquariums and ornamental ponds.

Porn ads on FB, Insta lure users into fraud: Centre:

New Delhi, Agency: The National Cybercrime Threat Analytics unit (NCTAU), under the Indian Cyber Crime Coordination Centre (I4C), has warned users of financial fraud through sideloaded malicious Android apps masquerading as porn apps which, when downloaded, take control of users' devices by abusing accessibility permissions.

NCTAU said misleading Facebook and Instagram ads under the names Night Play, Reloop, Kyss, Riva, Vima, Nexo and Vixa were redirecting users to phishing websites featuring pornographic content, with a prompt to download the APK file from outside the Google Play Store. After installation, the app requests permissions that allow it to install additional applications, enabling fraudsters to take control of the device and commit financial fraud.

Sugarcane Development Under Scrutiny as Farmers Question Cane Officer's Role

By Sagar Suraj

East Champaran farmers allege declining sugarcane cultivation and lack of departmental support; Cane Officer Sriram Singh says he has not undertaken any work since his posting

Motihari: The functioning of the sugarcane development department in East Champaran has come under scrutiny amid complaints from farmers over the declining area under sugarcane cultivation and the alleged lack of field-level support.

The issue gained significance after Cane Officer Sriram Singh, when asked about the initiatives undertaken for sugarcane development since his posting in the district, reportedly said that he had not undertaken any work so far.

He also stated that promoting sugarcane development and assisting farmers were among the responsibilities attached to his post.

Notably, farmers in the district are already facing difficulties due to the limited availability of sugar mills.

The Hanuman Sugar Mill in Motihari has remained closed for a long period, while the sugar mill at Sugauli has also faced concerns over its regular operations.

It may be mentioned here that sugarcane is an important cash crop for farmers and plays a significant role in the rural economy.

In the absence of adequate local milling facilities, farmers said they are willing to cultivate sugarcane for sugar mills located in neighbouring districts. However, they expect the sugarcane department to facilitate coordination with such mills and provide necessary information regarding procurement, transportation and other arrangements.

Farmers have alleged that they are not receiving adequate guidance on improved sugarcane varieties, scientific cultivation practices, pest and disease management, increasing productivity and marketing opportunities.

They also alleged that their grievances do not always receive the expected response when they approach the sugarcane office.

According to farmers, regular field visits by departmental officials could help identify problems at the grassroots level.

They have urged the department to conduct a comprehensive assessment of sugarcane cultivation in the district and take steps to revive interest among farmers.

The farmers have urged the district administration and senior officials of the department to review the functioning of the sugarcane office, complaints received from farmers and the initiatives undertaken for sugarcane development in East Champaran.

The Cane Officer's reported statement that no work has been undertaken since his posting has further intensified questions over the department's functioning.

Notably, the issue is not limited to the functioning of an individual officer.

Farmers say the larger concern is the future of sugarcane cultivation in East Champaran, particularly at a time when the district lacks adequate local sugar-milling facilities.

It may be mentioned here that the farmers are seeking a proactive role from the department, including regular field visits, technical assistance, coordination with sugar mills in other districts and timely resolution of their grievances.

For the farmers, the immediate question is when the sugarcane development machinery will become active on the ground and when its efforts will translate into tangible benefits for those cultivating the crop.

SC Collegium recommends new CJs for Rajasthan, MP, J&K and Chhattisgarh;

New Delhi, Agency: The five-member Supreme Court Collegium led by CJI Surya Kant on Monday recommended the appointment of Justice Sanjay K Agrawal as chief justice of Rajasthan, whose acting chief justice S P Sharma has recused himself from judicial work following allegations regarding his integrity levelled by SC judge Sandeep Mehta.

In a fast-paced development, the controversy sparked by Justice Mehta's three letters within two weeks to CJI Kant seeking appointment of a regular CJ to Rajasthan HC gained

momentum with advocates at the HC indulging in sloganeering against the acting CJ, followed by Justice Sharma recusing from judicial work and culminating late evening on Monday by the Collegium recommending Justice Agarwal of Chhattisgarh HC as the CJ of Rajasthan HC.

The Collegium, also comprising Justices Vikram Nath, B V Nagarathna, M M Sundresh and P S Narasimha, recommended appointment of Justice Alpesh Yeshwant Kogje of Gujarat HC as CJ of Madhya Pradesh HC and Justice Pushpendra Singh Bhati of Rajasthan HC as the CJ of Jammu & Kashmir and Ladakh HC. As the present CJ of Chhattisgarh HC, Justice Ramesh Sinha, is retiring on Sep 4, the Collegium recommended the appointment of Justice Krushna Ram Mohapatra as the CJ of Chhattisgarh consequent to the retirement of Justice Sinha.

Power failure hits Jaipur centres again, AIIMS CRE exam cancelled

New Delhi, Agency: A day after a power failure disrupted NEET-PG 2026 at two examination centres in Jaipur, the AIIMS Common Recruitment Examination (CRE) 2026 was hit by a similar power supply failure at the same centres, forcing AIIMS to cancel the test there and schedule a fresh examination for September 7.

Barely 24 hours after the Ministry of Health and Family Welfare constituted a three-member committee to probe the power failure at the Jaipur centre, the same TCS-operated iON Digital Zone in Sitapura witnessed another disruption during the AIIMS CRE. The examination began at 9 am as scheduled but was interrupted by internal power supply issues at centres RJ0101 and RJ0102. AIIMS said the examination was cancelled at the two centres to safeguard the interests of affected candidates and maintain the integrity and fairness of the examination. A total of 2,000 candidates were registered at the two centres. Of these, 1,342 candidates at RJ0101 and 436 at RJ0102 appeared for the examination before the disruption. The affected candidates will now have to take the test afresh on September 7. AIIMS said suitable examination centres in Jaipur are being identified to accommodate them, either together or in smaller groups.

Across the country, 21,098 candidates were registered for the first shift of the CRE on August 31, of whom 16,193 appeared. The examination was conducted as scheduled at all other centres except the two Jaipur centres.

AIIMS has asked TCS to submit a detailed report on Monday's incident. It has also directed the examination service provider to preserve all relevant system logs, CCTV footage and control-room communications to facilitate a comprehensive assessment of the circumstances leading to the disruption.

The CRE is conducted for recruitment to Group B and Group C posts across AIIMS and other Central government and autonomous healthcare institutions.

SC: Externment orders cannot be passed routinely, require reasons

New Delhi, Agency : Holding that forcing a person to stay out of a city or district affects freedom guaranteed by the Constitution, SC on Monday ruled that a govt cannot pass an externment order routinely and must pass a reasoned order to justify such harsh measures.

A bench of Justices Dipankar Datta and Sheel Nagu quashed an externment order passed by Raigarh district magistrate directing a person to remove himself from the district and contiguous districts for one year. The order was passed against him

as multiple criminal cases were pending and the district authority apprehended that his presence would create further problems in the area and nearby districts. "An order of externment directly impinges upon valuable fundamental freedoms guaranteed to a citizen and, therefore, cannot be made as a matter of routine. Further, merely because multiple criminal cases have been filed against a person would not, ipso facto, be a ground for ordering externment," the bench said. Before exercising such power, the DM is required to arrive at a bona fide and informed subjective satisfaction that circumstances warrant such an extreme measure and externment is necessary, it said. The bench said the authority is not expected to render a judgement as a court of law but the order must nonetheless disclose, at least in broad terms, the reasons for such satisfaction. "The existence of objective material and a discernible nexus between such material and the conclusion reached are indispensable safeguards against arbitrary exercise of power," it said.

Quashing the order under Chhattisgarh Rajya Suraksha Adhiniyam, SC said the externment order fell short of statutory requirement. "The order does not indicate the material on the basis of which such conclusion was reached. No reasons are forthcoming to demonstrate why the third respondent (Raipur DM) considered the situation grave enough to necessitate the appellant's externment," it said.

'Illegal body': India rejects Hague court's Indus Waters Treaty ruling

New Delhi, Agency: India on Monday rejected outright the award of the so-called Court of Arbitration at The Hague on the Indus Waters Treaty (IWT), calling the tribunal "illegally constituted" and asserting that its decision would have no bearing on New Delhi's actions on hydro-electric projects on the western rivers.

In a strongly worded statement issued shortly after the Permanent Court of Arbitration announced that the 1960 Treaty remained in force, India said the World Bank had constituted the Court of Arbitration in "patent breach" of the treaty and that it had never recognised the body or appeared before it. "India categorically rejects its so-called award, just as it has firmly rejected all prior pronouncements by this illegally constituted body," the government said.

New Delhi maintained that the court had "no jurisdiction whatsoever" to pronounce on India's sovereign decisions, adding that its present or future pronouncements would have no effect on India's actions relating to projects being undertaken by the country.

"India's decision to hold the Indus Waters Treaty in abeyance remains in force," it asserted. The sharp rejection came after the Court of Arbitration unanimously ruled that India's April 2025 decision to place the treaty in abeyance was not permissible under the pact or international law and that the treaty continued to remain fully in force. The court also ordered interim restrictions on certain construction works at the Ratle hydro-electric project in Jammu and Kashmir, including prohibition on concreting the dam wall and power intake structure above specified levels until 90 days after a World Bank-appointed "neutral expert" issues his final decision on the project's compliance with the Treaty. India, however, has consistently refused to participate in the proceedings, maintaining that the Court of Arbitration itself was constituted in violation of the Indus Waters Treaty.

Social activist Anna Hazare admitted to hospital in Mumbai

New Delhi, Agency: Veteran social activist Anna Hazare has been admitted to a hospital in Mumbai, according to reports. Hazare, 89, has been admitted for medical treatment. Further details about his condition and the reason for his hospitalisation were not immediately available.

Hazare, who has been associated with several anti-corruption and social reform campaigns, rose to national prominence during the 2011 anti-corruption movement, when he led a hunger strike demanding a strong Lokpal law.

Further details about his health are awaited.

Government terms arbitration award on Indus Waters Treaty 'illegal'

New Delhi, Agency: Govt slammed an award by the "illegally constituted so-called Court of Arbitration (CoA)" concerning interim measures and status of the Indus Waters Treaty, recalling India's position that the court has no jurisdiction to pronounce on India's sovereign decisions. India had responded similarly to another award issued by the court in May this year.

On this occasion though, according to a

Reuters report from Amsterdam, the Permanent Court of Arbitration in the Hague said that India must uphold the Indus Waters Treaty with Pakistan and must also limit work on an hydro-electric plant it is building in J&K. Govt maintains that this court was created in violation of the 1960 IWT which in any case has been put in abeyance by India because of Pakistan's support to cross-border terrorism.

"Today, the illegally constituted so-called Court of Arbitration has issued what it termed as an award concerning Interim Measures and Status of the Indus Waters Treaty. This so-called court was constituted by World Bank in patent breach of terms of the Treaty and India categorically rejects its so-called award, just as it has firmly rejected all prior pronouncements by this illegally constituted body," MEA said.